NEP 2020

सत्यमेव जयते

Government of Rajasthan

'नो बैग डे'

संभावनाओं का शनिवार

'नो बैग डे' निर्देशिका

2024-25

कक्षा - 9 से 12

'क्षितिज'
कक्षा 9 से 10

'उन्नति'
कक्षा 11 से 12

- आओ राजस्थान को जानें
- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर
- खेल-खेल में विज्ञान
- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान
- जीवन कौशल
- करियर : सुनहरे भविष्य की राह
- विशिष्ट और अन्य गतिविधियाँ

संरक्षक

शासन सचिव

स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग राजस्थान, जयपुर

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त

राजस्थान

स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

निदेशक

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण

परिषद्, उदयपुर

समन्वयक

श्री कमलेंद्र सिंह राणावत प्रभागाध्यक्ष,

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

संपादक एवं प्रभारी अधिकारी

डॉ. नवनीत शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

विकास समूह

1. श्रीमती ज्योति शर्मा, व्याख्याता, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़गाँव, कोटा शहर।
2. श्री आनंद कुमार पारीक, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय नेत्रहीन छात्रावासित उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीकानेर।
3. श्री राज कुमार, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोमता, जालोर।
4. श्री सीताराम यादव, वरिष्ठ अध्यापक, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, देवीपुरा, शाहपुरा, जयपुर ग्रामीण।
5. श्री सुनील कुमार राय, अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डाबड़ी जालसू, जयपुर ग्रामीण।
6. श्री श्याम प्रताप सिंह, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खोती, भवानीमंडी, झालावाड़।
7. श्री दीक्षित दवे, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बिछावाड़ा, सज्जनगढ़, बाँसवाड़ा।
8. श्री सुरेन्द्र सिंह, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पेमाखेड़ा, रेलमगरा, राजसमंद।
9. श्रीमती पुष्पा देवी मीणा, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नाथूथला, पीसांगन, अजमेर।
10. श्री दिलीप कुमार मीना, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नारखा का पाना, देवराजगढ़, शेरगढ़, जोधपुर ग्रामीण।

सहयोगी संस्थाएँ

1. यूनिसेफ
2. अंतरंग फाउंडेशन
3. सेंटर फॉर माइक्रोफाइनेंस (टाटा ट्रस्ट्स)
4. मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन
5. क्षमतालय फाउंडेशन

अवधारणात्मक एवं भाषागत सहयोग

1. डॉ. शालिनी शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
2. डॉ. रिपुदमन सिंह उज्जवल, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
3. डॉ. जयश्री माथुर, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

दिशा बोध

शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार स्कूली शिक्षा में संपोषित शैक्षिक विकास एवं समावेशी शिक्षा की आवश्यकता की पूर्ति हेतु विद्यार्थी हित में निरंतर नवाचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी एवं विख्यात है।

यशपाल कमेटी (1993) के लक्ष्य 'Learning without Burden' एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल मंशा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की संकल्पना को प्रभावी रूप से प्राप्त करने के लिए **'नो बैग डे'** कार्यक्रम वर्ष 2020 से राजस्थान में सफलतापूर्वक सतत् गतिमान है। शिक्षा विभाग राजस्थान ने इस कार्यक्रम की सफल क्रियान्विति एवं प्रभावी संपादन हेतु संस्था प्रधानों एवं शिक्षकों की सहायतार्थ **'नो बैग डे'** निर्देशिका का पूर्व में निर्माण किया था। उक्त निर्देशिका में **'नो बैग डे'** की गतिविधियों हेतु कक्षा अनुसार पाँच समूह एवं पाँच थीम निर्धारित की गई थी। विगत वर्षों के अनुभवों, वर्तमान की आवश्यकताओं तथा विद्यार्थियों के 360° समग्र विकास की संकल्पना के परिप्रेक्ष्य में इस निर्देशिका में प्रासंगिक विषय करियर अवेयरनेस, रक्तदान, अंगदान, जीवन कौशल, कृत्रिम बुद्विमता, संवैधानिक एवं सांस्कृतिक मूल्य, धरोहर संरक्षण एवं संवर्धन आदि को सम्मिलित कर अद्यतन किया जाना अपरिहार्य हो चुका है। यह विषय विद्यार्थियों, उनके परिजनों एवं उनके निकट परिवेश से गहराई से जुड़ा हुआ है। स्पर्श की पहचान विषयक जानकारी की समझ विद्यार्थियों को इस संबंध में जागरूक करने के साथ–साथ आत्मविश्वास से ऐसी अवांछित परिस्थितियों से प्रतिकार करने का हौसला देने में सफल होगी।

विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही व्यक्तिगत विकास के विभिन्न आयामों यथा– प्रभावी संप्रेषण कौशल, नैतिक गुणों एवं मानवीय मूल्यों का विकास, नेतृत्व क्षमता का विकास, समय प्रबंधन की समझ, सभ्य नागरिक संबंधी दायित्व बोध आदि से परिचय कराना उनके स्वर्णिम एवं सफल भविष्य की दृष्टि से श्रेयस्कर रहेगा। अतः पुरानी थीम आधारित गतिविधियों के साथ ऊपर वर्णित प्रासंगिक विषयों की गतिविधियाँ सम्मिलित करना तथा अनिवार्यतः इन्हें करवाया जाना **'नो बैग डे'** कार्यक्रम के उद्देश्य की प्राप्ति में प्रभावी रूप से सहायक सिद्ध होगा।

आप सभी को **'नो बैग डे'** कार्यक्रम की सफल एवं वांछित क्रियान्विति हेतु कोटिशः शुभकामनाएँ।

शासन सचिव
स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग
राजस्थान, जयपुर

प्राक्कथन

'नो बैग डे' राजस्थान सरकार की अनूठी पहल है जो विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास के लक्ष्य के साथ आनंददायी अधिगम की संभावनाओं को साकार करने के लिए वर्ष 2020 से लागू किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मंशा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के दबाव, परीक्षा के भय आदि से विमुक्त रखते हुए अधिगम की सकारात्मक, आनंददायी परिस्थितियाँ उपलब्ध करवाकर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। इसी परिप्रेक्ष्य में राजस्थान में 'नो बैग डे' कार्यक्रम लागू किया गया जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय रहा है। पूर्व में प्रकाशित 'नो बैग डे' निर्देशिका में वर्णित थीम के अतिरिक्त नए विषयों यथा– करियर के प्रति जागरूकता, रक्तदान, अंगदान, जीवन कौशल, कृत्रिम बुद्धिमता, संवैधानिक एवं सांस्कृतिक मूल्य, धरोहर संरक्षण एवं संवर्धन आदि का समावेश कर निर्देशिका को अद्यतन करना प्रासंगिक एवं आवश्यक है। नवीन संदर्शिका में कुछ नई जोड़ी गई थीम आधारित गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपने परिवेश के प्रति जागरूक करने के साथ–साथ विद्यार्थियों में दायित्व बोध बढ़ाने तथा उन्हें सभ्य एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में प्रभावी कदम सिद्ध होगा। आनंददायी एवं दबाव मुक्त शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से अनौपचारिक परिवेश में सहजता से सीखा हुआ ज्ञान स्थायी एवं सुदृढ़ रहता है। अतः यह कार्यक्रम शिक्षाशास्त्र एवं राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान करने वाला होगा।

इस कार्यक्रम की सफलता इसकी सुव्यवस्थित क्रियान्विति पर निर्भर रहेगी जो मुख्य रूप से संस्था प्रधानों, शिक्षक साथियों एवं विद्यार्थियों की समर्पित निष्ठा पर निर्भर करेगी। हमें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप सभी विभाग की मंशानुसार इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय एवं सतत् सहयोग प्रदान कर राजस्थान के शैक्षिक परिदृश्य को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगे।

निदेशक

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान

एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में दिशा–निर्देश

(A) संस्था प्रधान हेतु निर्देश–

1. शिविरा पंचांग 2024–25 के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के **द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार** को ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम मनाया जाना है। इस संदर्भ में विभिन्न अपेक्षित गतिविधियों का संग्रह इस एक्टिविटी बैंक मय निर्देशिका में किया गया है। समस्त संस्था प्रधान ‘नो बैग डे’ प्रभारी के माध्यम से उक्त गतिविधियों का सदुपयोग ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के प्रभावी एवं रोचक संपादन हेतु करें।
2. **‘नो बैग डे’** कार्यक्रम की निर्देशिका का आवश्यक रूप से अध्ययन कर लेवें। ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की गतिविधियाँ शिविरा पंचांग के अनुसार आयोजित की जाए। यदि पंचांग में किसी विशेष गतिविधि का उल्लेख है तो उसे प्राथमिकता देते हुए संबंधित शनिवार को शामिल की जाए। शिविरा पंचांग में दिये गए सप्ताह विशेष उत्सव, जयंती व पर्व का आयोजन उस सप्ताह के शनिवार को आयोजित ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की गतिविधियों में समाहित किया जाए अथवा शनिवारीय गतिविधियों के बाद उसका आयोजन किया जाए।
3. ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम हेतु स्टाफ मींटिग का आयोजन जून माह के अंतिम सप्ताह में करें। इस मींटिंग में संस्था प्रधान द्वारा विद्यालय के ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम प्रभारी, थीम प्रभारियों व समूह प्रभारियों का गठन करेंगे जिन्हें वे प्रपत्र–अ के रूप में ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के रजिस्टर में संधारित करेंगे। ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम प्रभारी थीम प्रभारियों से चर्चा के उपरांत जून के अंतिम कार्य दिवस तक ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की वार्षिक कार्ययोजना तैयार करेंगे, जिसका संस्था प्रधान द्वारा अनुमोदन करवाएँ। प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को वार्षिक कार्ययोजना के अनुरूप मासिक कार्ययोजना प्रपत्र–ब में तैयार करनी है।
4. ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम हेतु प्रभारियों की नियुक्ति–
   - **‘नो बैग डे’ कार्यक्रम प्रभारी** एवं **सह प्रभारी** नियुक्त करें जो ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की समस्त गतिविधियों का समन्वय करेंगे एवं गतिविधि आयोजन की समस्त उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे।
   - **थीम प्रभारी**– ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की निर्देशिका के अनुसार पाँच थीम हैं प्रत्येक थीम हेतु एक थीम प्रभारी नियुक्त करें जो संबंधित थीम में रूचि रखता हो या थीम विशेषज्ञ हो।
   - **समूह प्रभारी** की नियुक्ति– ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम निर्देशिका के अनुसार पाँच समूह है– 1. अंकुर 2. प्रवेश 3. दिशा 4. क्षितिज 5. उन्नति। प्रत्येक समूह हेतु एक समूह प्रभारी और एक समूह सह प्रभारी नियुक्त करें जो संबंधित कक्षाओं के कक्षाध्यापक हो। यदि शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता है तो ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम प्रभारी एवं थीम प्रभारी को समूह प्रभारी एवं सह प्रभारी नियुक्त नहीं करें।

5. प्रत्येक सोमवार को आगामी शनिवार को आयोजित होने वाली 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं स्टॉफ को प्रार्थना सभा में ही अवगत करवा दें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम गतिविधियों के वार्षिक योजना का फलेक्स तैयार कर विद्यालय परिसर में चस्पा करें।

6. मासिक योजना में निर्धारित कालांश, समय एवं स्थान के अनुसार गतिविधियों का आयोजन कर समूह प्रभारी एवं थीम प्रभारी संयुक्त रूप से प्रतिवेदन तैयार कर नो बैग डे प्रभारी को सौंप दें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी संकलित प्रतिवेदन के आधार पर गतिविधि का संख्यात्मक डाटा तैयार कर शाला दर्पण मॉड्यूल में अपडेट करेंगे। संबंधित थीम प्रभारी थीम के अनुसार पोर्टफोलियो का निर्माण करेंगे प्रत्येक पोर्टफोलियो थीम आधारित होगा। समस्त प्रतिवेदनों को संबंधित थीम के पोर्टफोलियो में संधारित करेंगे एवं सभी गतिविधियों से प्राप्त चार्ट/मॉडल/सर्वेक्षण प्रपत्र/वीडियो/ फोटोग्राफ्स आदि जो गतिविधि के होने को प्रमाणित करे जिसकी सॉफ्ट या हार्ड कॉपी सत्र पर्यन्त संरक्षित व सुरक्षित रखी जाए।

7. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षक और विद्यार्थियों को 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी की अनुशंसा पर पाँचवे शनिवारीय कार्यक्रम या वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सम्मानित करें।

8. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों को आयोजित करने हेतु सामान्य जानकारी–

   - 'नो बैग डे' कार्यक्रम निर्देशिका में दी गई गतिविधियों के लिंक/क्यूआर कोड को स्कैन कर मदद ली जा सकती है। इस निर्देशिका में दी गई गतिविधियाँ आधार मात्र हैं। इसके अतिरिक्त गतिविधियों का चयन शिक्षक अपने स्व–विवेक या ऑनलाइन सर्च करके भी सुनिश्चित कर सकते हैं। गतिविधि के चयन के पश्चात् एवं सम्मिलित करने से पूर्व शिक्षक विद्यालय के संस्था प्रधान से अनुमोदन अवश्य करवा लें।
   - गतिविधियों में मानवीय मूल्यों जैसे– करूणा, दया, प्रेम व सहयोग आदि के साथ–साथ नैतिक मूल्यों जैसे ईमानदारी, सहिष्णुता, सदाचार, देशप्रेम, राष्ट्रभक्ति आदि को भी विकसित किए जाने के उद्देश्यों को समाहित करें।
   - गतिविधियों का आयोजन करते समय गतिविधि की विषयवस्तु स्थानीय रीति–रिवाजों संबंधी जानकारी, कुरीतियों को दूर करने संबंधी प्रयास, उत्सवों, सांस्कृतिक धरोहरों को समाहित करते हुए चयन करें।
   - 'नो बैग डे' कार्यक्रम को रोचक बनाने हेतु नवीन गतिविधियों को समय, स्थान एवं परिस्थितियों के अनुकूल जोड़ें।
   - पाठ्यपुस्तकों में दी गई गतिविधियाँ भी शामिल की जा सकती है।
   - गतिविधियों के लिए समूह को उपसमूह में लिंग या कक्षा–स्तर के आधार पर नही बनाएँ।

- ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के दौरान निर्मित श्रेष्ठ कलाकृतियाँ/मॉडल/पोस्टर/क्राफ्ट को प्रदर्शित करने हेतु 3-H Corner बनाए जाएँ।

(B) ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के प्रभारियों के लिए निर्देश–

1. शनिवार को आयोजित होने वाली ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में उस सप्ताह के सोमवार को समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रार्थना सभा में ही अवगत करवा दें।
2. थीम प्रभारी एवं समूह प्रभारी के सहयोग से ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के आयोजन के बाद प्रतिवेदन तैयार करवाकर थीमवार पोर्टफोलियो तैयार करें, जिसे सत्रांत कार्यालय में जमा करवाएँ। प्रतिवेदन में गतिविधियों के आयोजन से संबंधित सुझाव लिखें जिससे आगामी गतिविधियों को श्रेष्ठ बनाया जा सके।
3. ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के नाम संस्था प्रधान को दें।
4. गतिविधियों के आयोजन के बाद विद्यालय के शिक्षकों से फीडबैक लेना सुनिश्चित करें। इस हेतु पाँचवे शनिवार को पूर्व आयोजित गतिविधियों का फीडबैक लिया जाए। इसके साथ आयोजित गतिविधियों को शिक्षण कार्य से जोड़ें, मौखिक परीक्षा एवं प्रायोगिक कार्य में भी पूर्व में आयोजित गतिविधियों को शामिल किया जा सकता है।
5. ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के आयोजन के बाद आयोजन की सूचना शालादर्पण पोर्टल पर अपलोड करें।
6. गतिविधि प्रारंभ करने से पूर्व विद्यार्थियों का ध्यानाकर्षण करने हेतु छोटी–छोटी ऊर्जावान गतिविधि करवाया जाना सुनिश्चित करेंगे जैसे–
   - शिक्षक हाय बोलेगा तो विद्यार्थी हैलो कहेंगे (2-3 बार पुनरावृति)।
   - ताली अथवा चुटकी बजाना।
   - व्यायाम करवाना जैसे– हाथ ऊपर उठाकर दाएँ–बाएँ हिलाना, सिर को दाएँ अथवा बाएँ तरफ झुकाना इत्यादि।

अनुक्रमणिका

- मुख्य पृष्ठ
- दिशा-बोध संदेश (शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान)
- प्राक्कथन (निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर)
- 'नो बैग डे' के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश
- अनुक्रमणिका

क्र. सं.	**'नो बैग डे' गतिविधियाँ**	**पृष्ठ संख्या**
1	जुलाई, 2024	1
2	अगस्त, 2024	10
3	सितंबर, 2024	18
4	अक्टूबर, 2024	25
5	नवंबर, 2024	30
6	दिसंबर, 2024	37
7	जनवरी, 2025	44
8	फरवरी, 2025	48
9	मार्च, 2025	57
10	अप्रैल, 2025	63
11	संलग्नक 1 (आउटडोर खेल गतिविधियाँ)	68
12	संलग्नक 2 (मॉनिटरिंग प्रपत्र)	69

जुलाई 2024

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम-'राजस्थान के संभाग व जिले' (मानचित्र पठन एवं लेखन) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- राजस्थान की बाह्य एवं आंतरिक सीमाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

आवश्यक सामग्री- राजस्थान के आउटलाईन वाले रिक्त भौगोलिक व राजनैतिक मानचित्र, पेंसिल, स्केच, स्केल, रबर, प्रोजेक्टर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाएँगे।
- गतिविधि के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के बीच रहकर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- सर्वप्रथम कुल 10 संभाग के लिए विद्यार्थियों के 10 समूह बनाए जाएँगे।
- प्रत्येक समूह मंच पर आकर अपने संभाग के बारे में मुख्य जानकारी प्रदान करेंगे।
- प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले समूहों के नाम विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल-

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी राजस्थान की बाह्य एवं आंतरिक सीमाओं के बारे में जान पाएँगे।

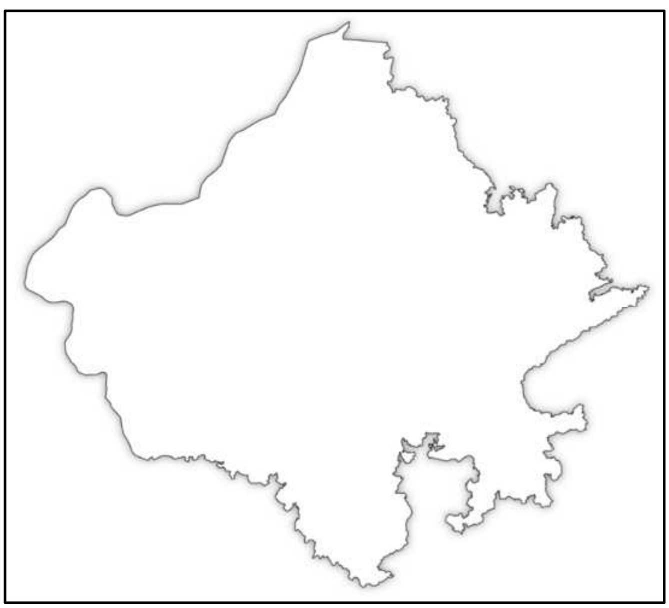

अन्य गतिविधि

गतिविधि का नाम- 'हरियाली उत्सव' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- वृक्षों के महत्त्व और उनकी आवश्यकता के बारे में जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री- पौधे (छोटे पौधों के बीज), पानी के कनस्तर, खाद (कम्पोस्ट), गमले या बगीचे की जमीन, ग्लव्स, कुदाल, फावड़े, अन्य बागवानी उपकरण, पोस्टर बनाने के लिए कागज, रंग, ब्रश, नाम टैग्स और पौधों की पहचान के लिए छोटे बोर्ड।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक विद्यार्थियों को निर्देश दें कि वे पौधों को कैसे और कहाँ लगाएँगे।
- गतिविधि के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के बीच रहकर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- पौधों और आवश्यक सामग्री का वितरण करेंगे।
- विद्यार्थी अपने-अपने पौधों को गमले या जमीन में लगाकर इसे पर्याप्त पानी और खाद देंगे। यह ध्यान में रखते हुए कि पौधा सही तरीके से लगाया गया है।
- विद्यार्थी अपने पौधों के लिए आकर्षक नाम टैग और सजावट करेंगे।
- विद्यार्थियों को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित पोस्टर बनाने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को निर्देश देंगे कि उनके द्वारा लगाए गए पौधों की वे नियमित देखभाल करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी न केवल वृक्षारोपण के महत्त्व को समझेंगे, बल्कि रोमांचक और शिक्षाप्रद अनुभव के रूप में भी अपनाएँगे।

थीम- भाषा: समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम- 'शब्दों से वाक्य निर्माण' (हिन्दी / अंग्रेजी दोनों) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों में वाक्य संरचना की समझ बढ़ाना।
- शब्दों का सही क्रम में उपयोग सीखना।

- रचनात्मकता और भाषा कौशल को प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री- फ्लैशकार्ड्स (प्रत्येक पर एक-एक शब्द लिखा हो), पेपर और पेन/पेंसिल, व्हाइटबोर्ड और मार्कर (वैकल्पिक)।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाएँगे।
- गतिविधि के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के बीच रहकर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।
- समूहों को दिए गए शब्दों का उपयोग करके वाक्य बनाने के लिए कहेंगे। वाक्य अर्थपूर्ण और व्याकरणिक रूप में सही होने चाहिए।

गतिविधि के चरण-

- **प्रस्तावना-** शिक्षक विद्यार्थियों को वाक्य निर्माण के महत्त्व और उद्देश्य को समझाएँगे।
- **समूह गठन-** विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित करेंगे, प्रत्येक समूह में 3-4 विद्यार्थी हो सकते हैं।
- **शब्द वितरण-** प्रत्येक समूह को 10-15 फ्लैशकार्ड्स देंगे, जिन पर अलग-अलग शब्द लिखे हों।
- **वाक्य निर्माण-** समूहों को दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने का समय देंगे।
- **प्रस्तुति-** प्रत्येक समूह से उनके बनाए वाक्यों को कक्षा के सामने प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे।
- **चर्चा और निष्कर्ष-** प्रस्तुतियों के बाद वाक्यों पर चर्चा करेंगे और सही वाक्य संरचना के महत्त्व को दोहराएँगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में वाक्य संरचना की समझ बढ़ेगी।
- विद्यार्थी शब्दों का सही क्रम में उपयोग सीखेंगे।
- विद्यार्थियों में रचनात्मकता और भाषा कौशल का विकास होगा।

अन्य गतिविधि

गतिविधि का नाम- हास्य नाटक-'कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की दुनिया' 🕒 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की महत्ता, उपयोगिता और इसके भविष्य में संभावित प्रभावों के बारे में जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री- पात्रों के नाम टैग्स, नाटक की स्क्रिप्ट, प्रॉप्स जैसे रोबोटिक उपकरण, लैपटॉप, टोपी, चश्मे, पोस्टर, बोर्ड, मार्कर (AI के प्रभाव लिखने के लिए), नोटबुक और पेन (सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए), चार्ट पेपर और रंगीन पेंसिल।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाएँगे।
- गतिविधि के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के बीच रहकर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।
- गतिविधि के पश्चात शिक्षक AI के लाभ और हानियों के बारे में विद्यार्थियों को बताएँगे ।

गतिविधि चरण-

- सभी विद्यार्थी अपने-अपने रोल के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- नाटक का अभ्यास करेंगे और फिर सभी के सामने प्रस्तुत करेंगे।

नाटक- "AI की मस्ती भरी दुनिया"

पात्रों का परिचय

- **प्रोफेसर चतुर-**एक बुद्धिमान और थोड़ा सा चतुर AI विशेषज्ञ।
- **रोबोट रामू-**एक रोबोट जो AI के उपयोग से चलता है और बहुत मजाकिया है।
- **मीनू-**प्रोफेसर की सहायक जो थोड़ी गुस्सैल है लेकिन काम में माहिर है।
- **टोनी-**प्रोफेसर का विद्यार्थी जो AI को समझने की कोशिश कर रहा है।
- **ग्रामीण-** प्रोफेसर के दोस्त और पड़ोसी जो AI के बारे में जानना चाहते हैं।

नाटक का विवरण

दृश्य 1 (प्रोफेसर चतुर अपने लैब में काम कर रहे हैं, रोबोट रामू पास में खड़ा है।)

- **प्रोफेसर चतुर-** (खुश होकर) वाह, रामू! आज हमने तुम्हें और भी स्मार्ट बना दिया है। अब तुम मीनू की सहायता कर सकते हो।
- **रोबोट रामू-** (मजाक करते हुए) प्रोफेसर ! मुझे लगता है कि मीनू को मेरी नहीं, आपको मेरी ज्यादा जरूरत है।
- **मीनू-** (गुस्से में) रामू ! तुम बस अपना काम करो और प्रोफेसर की बातें मत सुनो।

दृश्य 2- (टोनी लैब में प्रवेश करता है।)

- **टोनी-** (उत्सुकता से) प्रोफेसर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्या है ? क्या यह हमारे लिए अच्छा है या बुरा ?
- **प्रोफेसर चतुर-**(हंसते हुए) टोनी ! AI एक तकनीक है जो मशीनों को स्मार्ट बनाती है। इससे हम बहुत सारे कार्य आसानी से कर सकते हैं, लेकिन इसका सही उपयोग करना जरूरी है।

दृश्य 3- (ग्रामीण लैब में प्रवेश करते हैं।)

- **ग्रामीण 1-** (चौंकते हुए) अरे ! रामू तो हमारे खेत में काम कर सकता है।
- **ग्रामीण 2-** (हंसते हुए) हाँ और हमें आराम करने का मौका मिल जाएगा !
- **प्रोफेसर चतुर-** (मुस्कराते हुए) बिल्कुल, AI का उपयोग खेती, चिकित्सा, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में

हो सकता है।

दृश्य 4- (सभी मिलकर AI के लाभ और चुनौतियों पर चर्चा करते हैं।)

- **मीनू-** (गंभीर होकर) लेकिन प्रोफेसर, हमें AI के साथ सावधानी भी बरतनी चाहिए। गलत हाथों में यह खतरनाक भी हो सकता है।
- **प्रोफेसर चतुर-** (सहमति में सिर हिलाते हुए) सही कहा मीनू। AI का सही उपयोग और इसके नियम-कानून बनाना बहुत जरूरी है।

दृश्य 5

(सभी मिलकर एक पोस्टर बनाते हैं, जिसमें AI के लाभ और सावधानियों के बारे में लिखा होता है।)

नाटक समाप्त

- अंत में शिक्षक विद्यार्थियों के साथ मिलकर AI के लाभ और चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।
- इसके बाद विद्यार्थी चार्ट पेपर और रंगीन पेंसिल की सहायता से AI के लाभ और सावधानियों पर एक पोस्टर बनाएँगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी यह समझ पाएँगे कि AI का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।
- इसमें सम्मिलित तकनीकी पहलू से अवगत हो पाएँगे।
- AI का समाज और विभिन्न क्षेत्रों पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? इसकी समझ विकसित कर पाएँगे।
- AI के उपयोग में आने वाली चुनौतियाँ का सामना कैसे किया जा सकता है ? इस पर विचार कर पाएँगे।

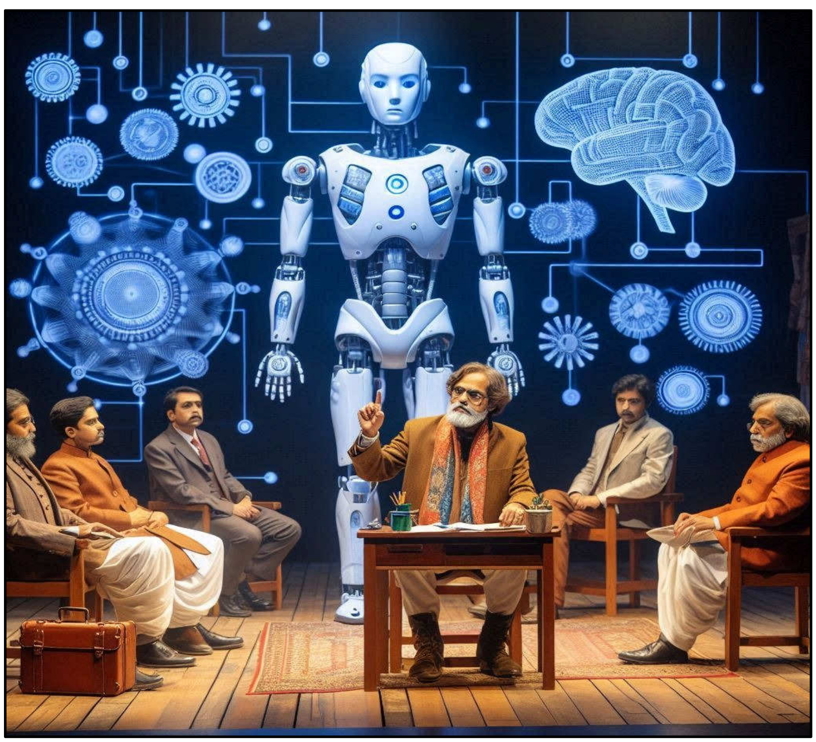

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'ब्लाइंड गेम' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों में टीमवर्क, विश्वास और संवाद कौशल को बढ़ाना।
आवश्यक सामग्री-आँखों पर बाँधने हेतु कपड़े की पट्टी, स्टील के गिलास।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक इस बात का ध्यान रखें कि आँखों पर बाँधे जाने वाला कपड़ा साफ-सुथरा हो।
- प्रयोग में लाए जाने वाले गिलास के किनारे नुकीले नहीं हों।
- नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके शिक्षक गतिविधि से संबंधित वीडियो को देख सकते है- https://youtu.be/HJ2XjpOY0NY?si=OjZabmbdDvY5pOI_

गतिविधि के चरण-

- एक बड़ा सा आयताकार डिब्बा बनाते हुए उसमें गिलास को इस प्रकार रखेंगे कि उन गिलासों के बीच से कोई भी विद्यार्थी आसानी से चल सके।
- शिक्षक दो विद्यार्थियों में से एक विद्यार्थी की आँखों पर पट्टी बाँधकर दूसरे विद्यार्थी से उसको चलने के लिए राह दिखाने को कहेंगे।
- इस दौरान विद्यार्थी किसी भी गिलास को स्पर्श नहीं करेंगे।
- विद्यार्थी को इशारों में दाएँ-बाएँ के साथ आगे बढ़ाएँगे।

सीखने के प्रतिफल- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में टीमवर्क,विश्वास और संवाद कौशल का विकास होगा।

अन्य गतिविधि

गतिविधि का नाम - 'राजू का रक्तदान' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्त्व और उसकी आवश्यकता के बारे में जागरूक करना।
- रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना।
- रक्तदान के महत्त्व को रोचक और मजेदार गतिविधियों के माध्यम से सिखाना।

आवश्यक सामग्री - रक्तदान से संबंधित चित्र और पोस्टर, प्रोजेक्टर (यदि उपलब्ध हो) या बड़ी स्क्रीन, कागज, पेंसिल, रंगीन पेंसिल / क्रेयॉन, टॉफी / चॉकलेट (प्रशंसा हेतु) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- कहानी 'राजू का रक्तदान' की स्क्रिप्ट तैयार करें।

- छोटे-छोटे प्रमाण-पत्र तैयार करें जिन पर 'रक्तदान जागरूकता प्रमाण-पत्र' लिखा हो।

गतिविधि चरण -

- **परिचय और कहानी सुनाना-**
  - शिक्षक एक छोटी और सरल कहानी सुनाएँगे जिसमें एक व्यक्ति के रक्तदान से किसी की जान बचाई जाती है।
  - **उदाहरण-** "राजू का रक्तदान"

"राजू एक नेक दिल बच्चा था। एक दिन उसने सुना कि उसके एक मित्र को रक्त की बहुत आवश्यकता है। राजू ने संवेदनशीलता रखते हुए करके रक्तदान किया और अपने मित्र की जान बच गई। सभी ने राजू की तारीफ की और उसने अनुभव किया कि रक्तदान कितना महत्त्वपूर्ण है।"

- **रक्तदान का महत्त्व समझाना-**
  - रक्तदान के महत्त्व को सरल शब्दों में समझाएँगे।
  - रक्तदान से जुड़े लाभ और इससे बचाई जा सकने वाली जिंदगियों की जानकारी देंगे।
  - विद्यार्थियों को बताना कि रक्तदान सुरक्षित है और इससे हमें कोई नुकसान नहीं होता।
  - यदि प्रोजेक्टर उपलब्ध है तो एक छोटा वीडियो दिखाएँ जिसमें रक्तदान के महत्त्व और प्रक्रिया को दर्शाया गया हो।
  - यदि प्रोजेक्टर उपलब्ध नहीं है तो चित्र और पोस्टर के माध्यम से विद्यार्थियों को जानकारी दी जाए।
- **कला गतिविधि-**
  - विद्यार्थियों को कागज और रंगीन पेंसिल / क्रेयॉन दिए जाएँगे।
  - विद्यार्थियों से कहा जाएगा कि वे रक्तदान पर एक पोस्टर बनाएँ और एक संदेश लिखें।
- **प्रस्तुति और प्रशंसा-**
  - प्रत्येक समूह और विद्यार्थी अपने पोस्टर और संदेश प्रस्तुत करेंगे।
  - सभी विद्यार्थियों को उनके प्रयास के लिए छोटे-छोटे प्रमाण-पत्र दिए जाएँगे।
  - प्रशंसा के रूप में सभी विद्यार्थियों को टॉफी / चॉकलेट दी जाएँगी।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी रक्तदान के महत्त्व को समझेंगे।

- विद्यार्थियों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।
- विद्यार्थियों के मन में रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियाँ दूर होंगी।
- विद्यार्थियों में समाज सेवा और दूसरों की सहायता करने की भावना विकसित होगी।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - 'पेपर ड्रॉप साइलेंस' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- ध्वनि से संबंधित संप्रत्यय को समझना।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - कागज या प्लास्टिक का कप, सेफ्टी पिन, कागज के टुकड़े आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक विद्यार्थियों को ध्वनि से संबंधित संप्रत्यय को समझाएँगे।

- नीचे दिए गए वीडियो लिंक के माध्यम से गतिविधि पर अपनी समझ विकसित कर सकते हैं।
  https://youtu.be/55okBwApPdw?si=nMFB2WJ-gqbOHgtG

गतिविधि के चरण -

- शिक्षकों के सम्मुख विद्यार्थियों को पंक्ति में बैठाकर उनमें से एक-एक विद्यार्थी को शिक्षक के समीप आने को कहा जाएगा तथा उनके कान के समीप एक कागज या प्लास्टिक का कप या गिलास रखकर उसमें एक छोटा कागज का टुकड़ा गिराया जाए।
- यदि विद्यार्थी ध्वनि सुन ले तो कागज का टुकड़ा और अधिक छोटा किया जाएगा और यह प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी जब तक वह उस कागज के गिरने की ध्वनि सुनाई देना बंद न हो।

सीखने के प्रतिफल-

- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी ध्वनि के विभिन्न पहलुओं को समझेंगे कि किस प्रकार कागज की आकृति और वजन ध्वनि की तीव्रता और स्वर को प्रभावित करते हैं।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

अगस्त 2024

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'नदियाँ, फसलें और वर्षा की मात्रा' (मानचित्र) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - राजस्थान की नदियों, फसलों एवं वर्षा वितरण के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - राजस्थान के आउटलाईन वाले रिक्त भौगोलिक व राजनैतिक मानचित्र, पेंसिल, स्केच, स्केल, रबर, प्रोजेक्टर, चॉक, विभिन्न रंगों की ऊन, विभिन्न अनाज, रुई, मिट्टी, कंकड़ आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- गतिविधि के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के बीच रहकर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।
- समूह गतिविधियों के माध्यम से चर्चा करते हुए पोस्टर बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- सबसे पहले किसी बड़े खुले भाग (ग्राउंड या फर्श) पर राजस्थान का मानचित्र बनाया जाएगा।
- मानचित्र में अरावली पर्वतमाला बनाने के लिए मिट्टी और कंकड़ का उपयोग किया जाएगा।
- इसमें नदियों के लिए विभिन्न रंगों की ऊन का प्रयोग किया जाएगा।
- फसलों के लिए अनाज एवं रुई का उपयोग किया जाएगा।
- वर्षा वितरण को दर्शाने के लिए विद्यार्थियों को वर्षा की मात्रा के अनुसार कम या अधिक संख्या में सम्मिलित किया जाएगा।
- विद्यार्थी मानसून के आगमन की दिशा के अनुसार मानचित्र में प्रवेश करेंगे और वर्षा वितरण के आधार पर अरावली पर्वतमाला को पार करते हुए रेगिस्तानी क्षेत्र में प्रवेश कर जाएँगे, कुछ विद्यार्थी वर्षा पर्वतमाला से टकराते हुए वही वर्षा करते हुए दर्शाए जाएँगे।

सीखने के प्रतिफल - राजस्थान की नदियों, फसलें एवं वर्षा वितरण के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

गतिविधि का नाम - 'घूमर एवं बिहू' (राजस्थान और असम के मुख्य लोकनृत्य) 60 मिनट

गतिविधि का उद्धेश्य - विद्यार्थियों को राजस्थान और असम दोनों राज्यों के लोक नृत्य, परंपरा, संस्कृति, वेशभूषा के बारे में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री - घूमर और बिहू लोक नृत्य के वीडियो लिंक, साउंड सिस्टम आदि।

1. घूमर लोक नृत्य वीडियो लिंक-https://youtu.be/nHhRWgkkpMk
2. बिहू लोक नृत्य वीडियो लिंक-https://youtu.be/7wD_kIfK7Cc

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को दोनों नृत्य स्वयं करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक सर्वप्रथम उपलब्धता अनुसार प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर, टेलीविजन, मोबाइल आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को घूमर और बिहू लोक नृत्यों के वीडियो दिखाएँगे।
- वीडियो देखने के पश्चात घूमर और बिहू लोक नृत्यों की विशेषताओं को बताएँगे।
- इन नृत्यों में पहनी जाने वाली वेशभूषा, वाद्य यंत्र, नृत्य करने का अवसर, गीत और अन्य पहलुओं तथा नृत्यों की समानताओं पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक राजस्थान और असम दोनों राज्यों के अन्य लोक नृत्यों की सामान्य चर्चा भी करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

विद्यार्थी राजस्थान और असम दोनों राज्यों के लोक नृत्य, परंपरा, संस्कृति, वेशभूषा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

थीम- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम- 'आशु भाषण प्रतियोगिता' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों में सार्वजनिक अभिव्यक्ति के कौशल को प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री- टाइमर या स्टॉपवॉच, फ्लैशकार्ड्स (विभिन्न विषयों के नाम लिखे हुए), पेपर और पेन / पेंसिल, पुरस्कार (वैकल्पिक) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- विद्यार्थियों को समझाएँगे कि उन्हें एक विषय पर आशुभाषण देना है और उस विषय पर उन्हे निश्चित समय में अपने विचार व्यक्त करने होंगे। उन्हे एक उदाहरण भी दिया जाएगा ताकि वे गतिविधि को सही ढंग से कर सकें।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को बारी-बारी से बुलाएँगे और फ्लैशकार्ड्स में से एक विषय चुनने के लिए देंगे।
- विद्यार्थियों को उनके विषय पर सोचने और तैयारी करने का समय देंगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी को उनके चुने हुए विषय पर भाषण देने के लिए बुलाएँगे।
- भाषण के बाद विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देते हुए सुधार हेतु आवश्यक सुझाव देंगे।
- सर्वश्रेष्ठ भाषण देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ सार्वजनिक रूप से बोलने की कला में निपुण होंगे। उनके भाषा-कौशल विशेषकर मौखिक अभिव्यक्ति में सुधार होगा।

विशिष्ट गतिविधि

गतिविधि का नाम - 'सड़क सुरक्षा जागरुकता' 🕒 60 मिनट

आवश्यक सामग्री - प्रोजेक्टर, लैपटॉप/कम्प्यूटर, स्पीकर आदि। (यदि हो तो, अन्यथा आप फ्लेक्स शीट, बैनर, चार्ट, पोस्टर्स इत्यादि सामग्री का उपयोग भी कर सकते हैं)।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरुकता सामग्री का प्रस्तुतीकरण करेंगे-
    - स्लाइड शो
    - लघु फिल्म
    - फ्लेक्स शीट
- शिक्षक निम्नलिखित लिखित वीडियो लिंक का उपयोग उक्त गतिविधि हेतु कर सकते हैं -
    - सीट बेल्ट - https://youtu.be/pYuqLZxcz3A
    - हेलमेट सुरक्षा - https://youtu.be/2fViIgJIUhw
- शिक्षक विद्यार्थियों से उक्त वीडियो अथवा जागरुकता सामग्री पर चर्चा करते हुए उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी सड़क सुरक्षा के नियमों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होंगे।

❖ यदि आपके पास ICT लैब हो तो विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा विषय पर पीपीटी / मूवी आदि भी दिखाएँ।

❖ विद्यालय में स्थानीय यातायात पुलिस, सामाजिक कार्यकर्ता या स्वयंसेवक को आमंत्रित कर विद्यार्थियों के साथ वार्ता भी करवाई जा सकती है।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम - 'कमेंट्री' (आँखों देखा हाल) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों में मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - खिलौना माइक।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक विद्यार्थियों को अच्छी कमेंट्री के गुण बताएँगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यालय में किसी भी खेल की प्रतियोगिता का आयोजन करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से उस खेल गतिविधि की कमेंट्री अर्थात् आँखों देखा हाल प्रस्तुत करने का अभ्यास करवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के क्षेत्र में करियर संबंधी जागरुकता विकसित होगी।

विशिष्ट गतिविधि-सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान

(असुरक्षित स्पर्श के विरुद्ध जागरुकता)

गतिविधि का नाम - 'अच्छा स्पर्श व बुरा स्पर्श' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों में अच्छे व बुरे के प्रति समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - लैपटॉप/कम्प्यूटर व स्पीकर। (यदि हो तो, अन्यथा आप फ्लेक्सी शीट, बैनर, चार्ट, पोस्टर्स इत्यादि सामग्री का उपयोग भी कर सकते हैं)

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विभिन्न चित्रों या पोस्टर के माध्यम से अच्छे या बुरे स्पर्श के बारे में विद्यार्थियों को बताएँगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक अच्छे एवं बुरे स्पर्श के अंतर को वीडियो के माध्यम से समझाने के लिए नीचे दिए गए क्यू आर कोड को स्कैन करेंगे-
- शिक्षक विद्यार्थियों से निम्नलिखित लिखित बिंदुओं पर चर्चा

करेंगे-

- यह समझाना बहुत जरूरी है कि अच्छा और बुरा स्पर्श केवल लड़कियों के साथ ही नहीं बल्कि लड़कों के साथ भी होता है।
- यह बताना आवश्यक है कि बुरा स्पर्श करने वाले व्यक्ति हमारे जान-पहचान वाले या करीबी रिश्तेदार भी हो सकते हैं।
- कोई अनजान व्यक्ति उन्हें चॉकलेट दे, गिफ्ट दे तो उनको कहना है 'No' means 'No' (नहीं मतलब नहीं)
- यदि कोई आपको बार-बार किसी भी तरह का प्रलोभन दे रहा है और आपसे उसे छुपाने को कहा जा रहा है (Secret) तो हमें इसे अपने माता-पिता से कहना चाहिए।

- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों से निम्नलिखित लिखित बिंदुओं पर चर्चा करेंगे-
- सुरक्षित स्पर्श की जानकारी।
- बुरे स्पर्श को कैसे पहचाने ?
- असुरक्षित स्पर्श से सावधान रहने के तरीके।
- यदि आप असुरक्षित अनुभव कर रहे हैं तो क्या करें ?
- इस पूरे विषय से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में अच्छे स्पर्श व बुरे स्पर्श की समझ विकसित होगी तथा बुरे स्पर्श का विरोध करने की साहस और समझ विकसित होगी।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - 'नेचर वॉक' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - आस-पास के परिवेश में विभिन्न पक्षियों, जानवरों, कीड़े-मकोड़ों एवं पेड़-पौधों में विविधता / उनकी विशेषताओं के बारे में जानना।

आवश्यक सामग्री - नोट बुक, पेंसिल, पेन, स्केच पेन, चार्ट पेपर, A4 पेपर शीट और गोंद।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक विद्यालय परिसर एवं उसके आस-पास अवलोकन के दौरान विद्यार्थियों के साथ रहकर उनकी सहायता करेंगें।

गतिविधि के चरण-

- ➢ विद्यार्थियों की संख्या को ध्यान में रखकर चार से पाँच समूह बनाएँगे।
- ➢ शिक्षक सभी विद्यार्थियों के साथ पक्षियों, जानवरों एवं विभिन्न कीड़े-मकोड़ों में विभिन्न अंतरों / विशेषताओं के बारे में सामान्य जानकारी से जुड़े पक्षों पर संवाद करेंगे एवं उनको इन भिन्नताओं को नेचर वॉक अवलोकन के दौरान पहचान कर अपनी नोट बुक में दर्ज करने को कहेंगे।

- समूह 1 को पक्षी, जानवरों एवं पौधों का अवलोकन, समूह 2 को पंख, पत्तियाँ, फूल आदि का संग्रहण करना, समूह 3 को कीड़े-मकोड़ों का अवलोकन करना, समूह 4 को जानवरों के पैरों के निशान का अवलोकन और चित्र बनाना एवं समूह 5 को विभिन्न तरह के जीव जंतुओं के रहने के स्थान का अवलोकन एवं चित्र बनवाएँ।
- अवलोकन के बाद समूह द्वारा दर्ज अवलोकनों एवं अनुभवों को सभी समूह के विद्यार्थियों के साथ साझा कर आपस में चर्चा करें एवं जुटाए गए तथ्य, अवलोकन के बिंदु, चित्र आदि को चार्ट पेपर पर दर्ज कर कक्षा-कक्ष की दीवार पर चस्पा करेंगे जिससे विद्यार्थी बाद में भी इन पक्षों पर संवाद कर सामूहिक समझ बना पाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी आस-पास के परिवेश में विभिन्न पक्षियों, जानवरों, कीड़े-मकोड़ों एवं पेड़-पौधों में विविधता / उनकी विशेषताओं को अवलोकन के माध्यम से जान सकेंगे।

अन्य गतिविधि

गतिविधि का नाम - 'अंगों का दान - जीवन की सौगात'

गतिविधि उद्देश्य - विद्यार्थियों को अंगों के दान की महत्ता, प्रक्रिया और इसके समाज पर प्रभाव के बारे में जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री - नाम टैग्स (रोल के लिए), जानकारी के कार्ड्स (अंगों के बारे में तथ्य, अंग दान प्रक्रिया), पोस्टर बोर्ड और मार्कर (अंगदान के लाभ लिखने के लिए), एक घंटी (रोल बदलने के संकेत के लिए), नोटबुक और पेन (सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए)।

गतिविधि निर्देश -

- विद्यार्थियों को विभिन्न रोल आवंटित करेंगे।
- सभी विद्यार्थियों को उनके रोल के बारे में जानकारी देंगे।
- उन्हें उनके रोल के लिए जानकारी के कार्ड्स देंगे ताकि वे अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझ सकें।

गतिविधि के चरण -

- सभी विद्यार्थी अपने-अपने रोल को प्रस्तुत करेंगे और उनका परिचय देंगे। इससे सभी को यह समझने में मदद मिलेगी कि वे किस भूमिका में हैं।
- एक दानदाता की कहानी सुनाई जाएगी जो अंगदान के लिए तैयार है। डॉक्टर और नर्स, दानदाता और उसके परिवार को अंगदान की प्रक्रिया और लाभ के बारे में समझाएंगे। समाज के सदस्य इस परिदृश्य में

अपनी प्रतिक्रियाएँ देंगे। एक प्राप्तकर्ता की कहानी सुनाई जाए जो अंग प्राप्त करने के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। डॉक्टर तथा नर्स प्राप्तकर्ता और उसके परिवार को प्रक्रिया के बारे में समझाएँगे। समाज के सदस्य इस परिदृश्य में अपनी प्रतिक्रियाएँ देंगे।

- सभी विद्यार्थी मिलकर अंगदान के लाभ और चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। बोर्ड पर मुख्य बिंदु लिखेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी अंगदान की प्रक्रिया को जान पाएँगें।

बाल सभा- मेरे अपनों के संग

गतिविधि का नाम - 'आओ चुने हमारी सरकार' (बाल संसद चुनाव) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों के द्वारा चुनाव प्रक्रिया में भाग लेकर चुनाव प्रक्रिया को जानना।

आवश्यक सामग्री - मतदान पेटी, नामांकन पत्र, स्टांप पैड, चुनाव चिह्न, मतदान पर्ची, ट्रे, मार्कर, पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- मतदान से एक दिन पूर्व शिक्षक मतदान प्रक्रिया तथा नामांकन के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देंगे।
- मतदान कक्ष, मतदान पेटी संबंधित प्रपत्र पहले से तैयार रखें।
- शिक्षक चुनाव प्रभारी, मतदान दल, मतगणना कर्मचारी की भूमिका निभाएंगे।

गतिविधि के चरण -

- प्रार्थना सभा में होने वाले चुनाव की घोषणा संस्था प्रधान द्वारा की जाएगी।
- प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र (कम से कम तीन अन्य विद्यार्थी के साथ) चुनाव प्रभारी को सौंपेंगे।
- चुनाव प्रभारी द्वारा सभी प्रत्याशियों को एक-एक चुनाव चिह्न दिया जाएगा।
- कक्षा 6 व उससे उच्च कक्षा के सभी विद्यार्थियों के बीच प्रत्याशी अपना चुनाव प्रचार मध्यांतर में करेंगे।
- चुनाव के दौरान एक-एक विद्यार्थी द्वारा मतदान गुप्त मतदान प्रणाली द्वारा किया जाएगा ।
- चुनाव पश्चात मतों की गिनती होगी तथा सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले प्रत्याशी को विजेता घोषित किया जाएगा।
- विजेता प्रत्याशियों द्वारा अपने मुखिया का चयन कर मंत्रिमंडल का गठन किया जाएगा।
- मंत्रिमंडल के गठन के बाद सभी मंत्री अपने पद की शपथ लेंगे।

नोट- शिक्षक चुनाव प्रक्रिया के सफल संचालन हेतु स्काउट गाइड, एनसीसी एवं एनएसएस के विद्यार्थियों की सहायता लें।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थियों में गुप्त मतदान प्रणाली द्वारा मतदान प्रक्रिया की समझ बनेगी।

सितंबर 2024

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'आओ मेले में चलें' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को राजस्थान के प्रसिद्ध मेलों के बारे में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री - पोस्टर, बोर्ड, मार्कर, रंगीन पेपर, कैंची, चिपकने वाला टेप, गोंद, प्रिंट किए गए सूचना पत्रक, राजस्थान के मेलों के चित्र और वीडियो (यदि उपलब्ध हो), प्रोजेक्टर और लैपटॉप (वीडियो दिखाने के लिए), राजस्थान के मेलों से संबंधित किताबें या इंटरनेट से प्राप्त जानकारी।

शिक्षक हेतु निर्देश - यहाँ मेले का आयोजन केवल एक रूपरेखा है। आप अपनी रचनात्मकता और आवश्यकताओं के अनुसार इसमें बदलाव कर सकते हैं।

- विद्यार्थियों को राजस्थान के प्रसिद्ध मेलों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी जाएगी।
- विद्यार्थियों को राजस्थान के मेलों पर एक वीडियो दिखाएँगे।

गतिविधि के चरण-

चरण 1- परिचय-

- विद्यार्थियों से स्थानीय मेलों के बारे में चर्चा करते हुए राजस्थान के प्रसिद्ध मेलों जैसे-पुष्कर पशु मेला, डेजर्ट फेस्टिवल, मरु महोत्सव, ऊँट उत्सव आदि के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी जाएगी।
- प्रत्येक मेले के मुख्य आकर्षण, उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्त्व के बारे में जानकारी देंगे।

चरण 2- वीडियो प्रस्तुति-

- विद्यार्थियों को राजस्थान के मेलों पर एक शैक्षिक वीडियो दिखाएँगे जिसमें मेले का दृश्य, गतिविधियाँ और परंपराएँ सम्मिलित हों।
- वीडियो के बाद विद्यार्थियों से उनके विचार और भावनाएँ पूछेंगे।

चरण 3- मेले का आयोजन -

- विभिन्न स्टॉलों के लिए जगह आवंटित करें।
- स्कूल में पोस्टर, बैनर और विज्ञापनों के माध्यम से मेले का प्रचार करें।
- नृत्य, गायन, नाटक आदि के प्रदर्शन का आयोजन करें।
- विभिन्न खेलों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करें।
- विभिन्न प्रकार के व्यंजन और पेय पदार्थों के स्टॉल लगाएँ।
- विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों और हस्तशिल्प का प्रदर्शन करें।
- पुस्तकों की बिक्री और प्रदर्शनी का आयोजन करें।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे कि किस प्रकार मेले के माध्यम से हमारी कला व संस्कृति के बारे में जानकारी मिलती है।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थियों में राजस्थान के विभिन्न मेलों के बारे में समझ विकसित हो पाएगी।

NO TO TOBACCO

गतिविधि का नाम - 'प्रश्नोत्तरी के माध्यम से साक्षात्कार लेना' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री - पेपर, पेंसिल व रबर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव पर एक वीडियो दिखाएँगे। यदि वीडियो संभव नहीं है तो तंबाकू उत्पादों पर बनी चेतावनी को प्रदर्शित करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष तंबाकू रोधी अभियान से संबंधित जागरुकता सामग्री (बीड़ी, सिगरेट, गुटका एवं तंबाकूयुक्त दंत मंजन इत्यादि के नुकसान) का प्रस्तुतीकरण करेंगे -
  - स्लाइड शो।
  - शोर्ट मूवीज।
  - फ्लेक्स शीट।
- शिक्षक निम्नलिखित लिखित विडियो लिंक का उपयोग उक्त गतिविधि हेतु कर सकते हैं-
  - धूम्रपान के दुष्परिणाम - https://www.youtube.com/watch?v=oizxjApBviU
  - तंबाकूयुक्त उत्पादों के दुष्परिणाम - https://www.youtube.com/watch?v=ldJAMl3 syyU
- शिक्षक विद्यार्थियों से उक्त वीडियो अथवा जागरुकता सामग्री पर चर्चा करते हुए उन्हें तंबाकू का सेवन करने वाले लोगों हेतु एक पत्र लिखने को कहेंगे, जिसमें वे तंबाकूयुक्त पदार्थों का सेवन न करने संबंधी अनुरोध करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में तंबाकू रोधी अभियान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

थीम- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम- 'आत्मकथा वाचन' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को आत्म अवलोकन और आत्म अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करना।
- लेखन और मौखिक प्रस्तुतीकरण के कौशल को बढ़ावा देना।

आवश्यक सामग्री- कागज, पेंसिल / पेन, आत्मकथा लिखने के लिए प्रारूप (फॉर्मेट), समय मापक (टाइमर), पुरस्कार (वैकल्पिक)।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को अपनी आत्मकथा लिखने के लिए प्रेरित करेंगे जिसमें वे अपने जीवन की महत्त्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियों और अनुभवों का वर्णन करेंगे।
- लिखने के बाद प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी आत्मकथा का वाचन करने के लिए प्रेरित करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- आत्मकथा और उसके महत्त्व के बारे में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को आत्मकथा लिखने का समय देंगे। एक सरल प्रारूप प्रदान करेंगे जैसे- परिचय (नाम, जन्म तिथि, जन्म स्थान), बचपन के अनुभव, स्कूल के अनुभव, विशेष घटनाएँ या उपलब्धियाँ, भविष्य की आकांक्षाएँ आदि।
- विद्यार्थियों को अपनी आत्मकथा पढ़ने की तैयारी करने का समय देंगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी को बारी-बारी से अपनी आत्मकथा का वाचन करने के लिए बुलाएँगे।
- वाचन के बाद अन्य विद्यार्थियों से प्रशंसा और सुझाव देने के लिए कहेंगे।
- पुरस्कार वितरण (वैकल्पिक)-सर्वश्रेष्ठ आत्मकथा के लिए पुरस्कार देंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी आत्म अवलोकन और आत्म अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित होंगे।
- विद्यार्थियों में लेखन और मौखिक प्रस्तुतीकरण के कौशल का विकास होगा।

अन्य गतिविधि : करियर-एक सुनहरे भविष्य की राह

गतिविधि का नाम- 'लाइट, एक्शन और करियर' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को विभिन्न करियर और उनके विवरण के बारे में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री - मार्कर, व्हाइट बोर्ड, माइक सेट (यदि उपलब्ध हो तो)

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों से पूछें कि क्या उन्होंने कभी डम्ब चारैड्स (एक प्रकार का पारिवारिक खेल) खेला है, जिसमें एक व्यक्ति को अभिनय करने के लिए फिल्म दी जाती है और अन्य को उसका अनुमान लगाना होता है।
- यदि कुछ विद्यार्थियों ने ऐसा नहीं किया है, तो पहले एक आसान राउंड में डम्ब चारैड्स खेलें। शिक्षक या कोई दूसरा विद्यार्थी तारे जमीन पर, 12 वीं फेल, सुपर 30, गली बॉय या पीके जैसी किसी फिल्म के नाम का अभिनय करके दिखा सकते हैं जिसका अनुमान दूसरे विद्यार्थियों को लगाना होगा।

- उन्हें बताएँ कि यह गतिविधि उसी के समान है लेकिन इसमें एक मोड़ है उन्हें अलग-अलग करियर विकल्पों का अभिनय करना होगा।
- किसी को पहले काम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आने के लिए कहें। नीचे दी गई सूची में से कोई एक करियर चुनें और विद्यार्थी को नौकरी का विवरण समझाएँ।
- अब विद्यार्थी को नौकरी के विवरण के अनुसार कार्य करना है जबकि बाकी विद्यार्थी यह अनुमान लगाते हैं कि यह कौनसा करियर है।
- प्रत्येक बारी के बाद शिक्षक बोर्ड पर करियर और विभिन्न उत्तर लिख सकते हैं।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को दो समूहों में विभाजित करें।
- समूह 1 अपने समूह से एक विद्यार्थी को अभिनय के लिए भेजता है।
- समूह 2 उस विद्यार्थी के लिए सूची में से एक करियर चुनता है जिसका वह अभिनय करेंगे।
- विद्यार्थियों को विभिन्न करियर और उनके विवरण के बारे में जानकारी दी जाएगी।
- विद्यार्थी बारी-बारी से अनुमान लगाने के लिए विवरण के आधार पर एक विशेष करियर का 'अभिनय' करेंगे।

विभिन्न करियर की सूची-

● विविध क्षेत्रों के बारे में सामान्य जागरूकता। ● एयर होस्टेस। ● फिटनेस प्रशिक्षक। ● आहार विशेषज्ञ। ● शादी के योजनाकार।	● टूर गाइड। ● रेडियो जॉकी। ● मेक-अप कलाकार। ● कोरियोग्राफर। ● मानव संसाधन प्रबंधक। ● लोकोमोटिव अभियंता।

नोट- विद्यार्थी इनके अलावा भी करियर विकल्पों की सूची बना सकते हैं और उस पर अभिनय कर सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थी नौकरी विवरण के आधार पर विभिन्न करियर विकल्पों का अभिनय करने और उनकी पहचान करने में सक्षम होंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'किचन गार्डन बनाना' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को उनके आस-पास के परिवेश में उगाई जाने वाली सब्जियों के बारे में बताना।

आवश्यक सामग्री- किचन गार्डन टूल्स, खुरपी, गेंती, फावड़ा, बीज व हैंड ग्लव्स इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को अपने आस-पास उगायी जाने वाली सब्जियों के बारे में बताएँगे।

गतिविधि के चरण-

शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों से निम्नलिखित लिखित कार्य करवाए जाएँगे-

- किचन गार्डन में श्रमदान द्वारा खरपतवार निकालना।
- बुवाई करना, क्यारी तैयार करना और उत्पाद की हारवेस्टिंग करना।
- उत्पाद को मध्याह्न भोजन में उपयोग करने हेतु उपलब्ध करवाना।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थी अपने आस-पास के परिवेश में उगाई जाने वाली सब्जियों के बारे में जानेंगे।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम- 'पाचन तंत्र-मिट्टी का मॉडल' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को पाचन तंत्र की कार्यप्रणाली के बारे में समझाना।

आवश्यक सामग्री- चिकनी मिट्टी।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को पाचन तंत्र की कार्यप्रणाली समझाएँगे।

गतिविधि के चरण-

- पाचन तंत्र की समझ विकसित करने के लिए शिक्षक विद्यार्थियों को पाचन तंत्र के अलग-अलग अंगो की मिट्टी की आकृति बनाने को प्रेरित करेंगे।
- विद्यार्थी शिक्षक की सहायता से पाचन तंत्र का मिट्टी का मॉडल बनाएँगे।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थियों में पाचन तंत्र की कार्यप्रणाली के बारे में समझ स्थापित होगी।

नेत्रदान-दृष्टि का उपहार

गतिविधि का नाम- 'नेत्रदान'(कहानी) 60 मिनट

गतिविधि उद्देश्य- विद्यार्थियों को नेत्रदान की महत्ता, प्रक्रिया और समाज पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री- कहानी के पात्रों के नाम के टैग्स, जानकारी के कार्ड्स (नेत्रदान के बारे में तथ्य, प्रक्रिया), पोस्टर बोर्ड और मार्कर (नेत्रदान के लाभ लिखने के लिए), प्रॉप्स जैसे नकली आँखें, मेडिकल उपकरण (सिर्फ दिखाने के लिए, असली इस्तेमाल नहीं), नोटबुक और पेन (सीखने के प्रतिफल लिखने के लिए), चार्ट पेपर और रंगीन पेंसिल।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- कहानी के पात्रों को नाम टैग्स देंगे और विद्यार्थियों को उनके रोल असाइन करेंगे जैसे-रमेश (दानदाता), सुमित (प्राप्तकर्ता), शर्मा (डॉक्टर), सीमा (नर्स), ग्रामीण (परिवार, मित्र, पड़ोसी)।

➢ विद्यार्थियों को कहानी सुनाएँगे और पात्रों को उनकी भूमिकाएँ निभाने के लिए कहेंगे।

गतिविधि चरण -

➢ सभी विद्यार्थी अपने-अपने रोल को प्रस्तुत करेंगे और उनका परिचय देंगे। इससे सभी को यह समझने में सहायता मिलेगी कि वे किस भूमिका में हैं।

कहानी परिचय

कहानी में एक गाँव है जहाँ लोग एक-दूसरे की सहायता करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। गाँव में एक छोटी सी घटना घटती है जिसने सबको नेत्रदान की महत्ता के बारे में सोचने पर विवश कर दिया।

कहानी - 'दृष्टि का उपहार'

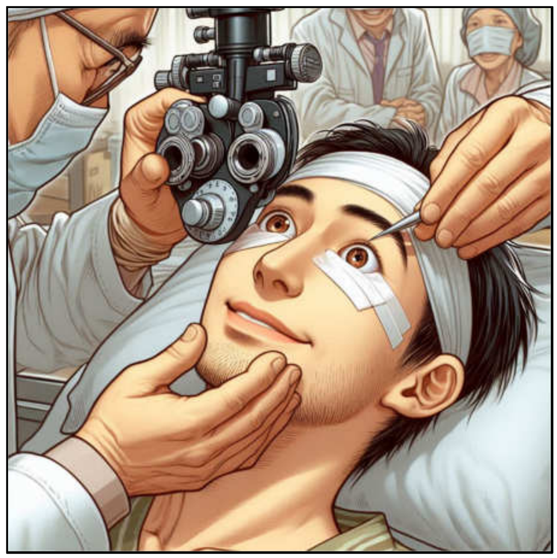

गाँव में रमेश नामक एक सामाजिक कार्यकर्ता था। एक दिन गाँव में एक दुर्घटना हुई और सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। डॉक्टर शर्मा ने बताया कि सुमित की आँखों को बुरी तरह से नुकसान पहुँचा है और यदि तुरंत नेत्र प्रत्यारोपण नहीं हुआ तो वे अपनी दृष्टि खो सकता है। रमेश ने नेत्रदान करने का फैसला किया।

रमेश ने नेत्रदान केंद्र पर जाकर डॉक्टर शर्मा और नर्स सीमा से मुलाकात की। डॉक्टर ने रमेश को नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे में बताया और उसे इसके लाभ समझाए। रमेश ने अपनी मृत्यु के बाद अपनी आँखें दान करने का संकल्प लिया और अपनी इच्छा को परिवार और दोस्तों के साथ साझा किया।

कुछ समय बाद रमेश की मृत्यु हो गई और उनके परिवार ने उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए उनकी आँखें दान कर दीं। सुमित को रमेश की आँखें प्रत्यारोपित की गई और उनकी दृष्टि लौट आई। गाँव के सभी लोगों ने रमेश की सराहना की और नेत्रदान की महत्ता को समझा।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी किसी व्यक्ति के जीवन में नेत्रों का क्या महत्त्व होता है इसे जान पाएँगे और नेत्रदान की प्रक्रिया से अवगत हो पाएँगे।

अक्टूबर 2024

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम- 'राजस्थान का पहनावा' 60 मिनट

आवश्यक सामग्री- पोस्टर, बोर्ड, मार्कर, रंगीन पेपर, कैंची, चिपकने वाला टेप, गोंद, प्रिंट किए गए सूचना पत्रक, राजस्थान के परिधानों के बारे में चित्र और वीडियो (यदि उपलब्ध हो), प्रोजेक्टर, लैपटॉप (वीडियो दिखाने के लिए), राजस्थान के परिधानों पर किताबें या इंटरनेट से प्राप्त जानकारी, पारंपरिक राजस्थानी वस्त्र और परिधान (यदि संभव हो तो)।

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को राजस्थान के परिधान और वस्त्रों के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को राजस्थान की संस्कृति, परंपराओं और वस्त्र कला के महत्त्व से परिचित कराना।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक राजस्थान के परिधानों के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे ताकि वे अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें और अपनी शंकाओं का समाधान कर सकें।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को राजस्थान के परिधान जैसे बाँधनी, लहरिया, घाघरा-चोली, पगड़ी, अंगरखा और ओढ़नी के बारे में संक्षिप्त जानकारी देंगे।
- प्रत्येक परिधान की मुख्य विशेषताएँ उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्त्व के बारे में बताएँगे।
- विद्यार्थियों को राजस्थान के परिधान पर एक शैक्षिक वीडियो दिखाएँगे जिसमें परिधानों के विभिन्न प्रकार और उनकी कला सम्मिलित हों।
- वीडियो के बाद विद्यार्थियों से उनके विचार जानेंगे।
- विद्यार्थियों को 4-5 के समूहों में विभाजित करेंगे।
- प्रत्येक समूह को विभिन्न क्षेत्रों के परिधानों के नाम लिखी हुई पर्ची उठाने को कहेंगे।
- विद्यार्थियों को परिधान पहनने के लिए कहेंगे। परिधान की मुख्य विशेषताएँ एवं साथ में पहनने वाले आभूषण पहनने का तरीका और उसके महत्त्व को दर्शाएँगे।
- सभी समूहों को अपने परिधान पर की हुई हस्तकला व डिजाइन की जानकारी प्रस्तुत करने और उसके बारे में चर्चा करने का अवसर देंगे।
- प्रत्येक समूह को अपने परिधान के साथ मंच पर बुलाकर उसके बारे में विस्तार से बताने के लिए कहेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को राजस्थान के परिधान और वस्त्रों के बारे में जानकारी मिलेगी।
- विद्यार्थी राजस्थान की संस्कृति, परंपराओं और वस्त्र कला के महत्त्व को समझेंगे।

अन्य गतिविधि- एक भारत श्रेष्ठ भारत

गतिविधि का नाम- 'असम के पीथ खिलौने' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों में सृजनशीलता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री- लकड़ी, कागज, स्केच रंग, गोंद आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक असम राज्य के प्रसिद्ध पीथ खिलौने का चित्र दिखाएँगे।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को खिलौना बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ मिलकर लकड़ी, कागज, गोंद आदि की सहायता से खिलौने का निर्माण करेंगे।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थियों में सृजनशीलता का विकास होगा।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'शारीरिक वृद्धि' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों में शारीरिक वृद्धि की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री- फीता, दीवार पर अंकित स्केल, वेट मशीन चार्ट, रंग आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- सभी विद्यार्थियों को कक्षाध्यापक एवं शारीरिक शिक्षक की सहायता से कक्षानुसार पंक्तियों में बैठाएँ।

गतिविधि के चरण-

- इस गतिविधि का प्रारंभ कुछ रोचकता से किया जाए। इसके लिए किसी एक विद्यार्थी को दीवार के सहारे खड़ा करके उसके दोनों हाथ फैलाने को कहा जाएगा।
- अब उन्हें अनुमान लगाने को कहा जाएगा। शिक्षक इसमें रोचकता लाने के लिए एक खेल गतिविधि करवाएँ। जिसमें हाथों को फैलाकर दी गई लंबाई और फिर पैर से सिर की लंबाई भी लेने को कहेंगे। उसके लिए एक धागे या डोरी का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इस डोरी से अलग-अलग विद्यार्थियों का माप लिया जाएगा फिर उसे फीते से माप लेंगे।
- विद्यार्थियों को बताएँ कि आप जब हाथ फैलाएँगे तब दोनों हाथों की अंगुलियों के मध्य की दूरी शरीर की कुल लंबाई के बराबर होती है।
- सभी आँकड़ो की सूची बना कर विद्यार्थियों को बताएँगे कि इस प्रकार से शरीर का बढ़ना वृद्धि कहलाएगा।

सीखने के प्रतिफल- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में शारीरिक वृद्धि की समझ विकसित होगी।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम- 'आओ गप्प लगाएँ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक एवं रचनात्मक सोच का विकास करना।

आवश्यक सामग्री- कुछ निश्चित टॉपिक पर लिखी हुई पर्चियाँ।

शिक्षक हेतु निर्देश- प्रत्येक अभिव्यक्ति के बाद शिक्षक लगातार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- एक बॉक्स में कुछ निश्चित टॉपिक पर लिखी हुई पर्चियाँ रखते हैं।
- प्रत्येक विद्यार्थी को पर्ची उठाकर 3 मिनट सोचने के लिए कहेंगे और 5 मिनट उस टॉपिक पर बोलने के लिए दिए जाएँगे।
- कुछ टॉपिक इस प्रकार हो सकते हैं-
  - यदि मैं वैज्ञानिक होता ?
  - यदि मैं चाँद पर होता ?
  - आप कौन सी नई मशीन बनाना चाहोगे और क्यों ?
  - आपको कौनसा वाहन सबसे अच्छा लगता है और क्यों ?
  - आप अपने घर को सुंदर बनाने के लिए क्या करेंगे ?
  - भविष्य में मेरा क्लासरूम कैसा हो ?

सीखने के प्रतिफल - इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक एवं रचनात्मक सोच का विकास होगा।

विशिष्ट गतिविधि

गतिवधि का नाम - 'सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान' (असुरक्षित स्पर्श के विरुद्ध जागरुकता)

गतिविधि के उद्देश्य -

- किशोर-किशोरियों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बीच का स्पष्ट अंतर समझाना।
- आत्मरक्षा के तरीकों की जानकारी देना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना।
- विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं और अनुभवों को खुलकर साझा करने के लिए प्रेरित करना।
- समुदाय और अभिभावकों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना।

आवश्यक सामग्री - पोस्टर और बैनर (गुड टच और बैड टच के उदाहरणों के साथ), माइक और स्पीकर (यदि संभव हो), रंगीन कपड़े और प्रॉप्स (मुख्य रूप से विद्यालय की सेटिंग के लिए), संवाद स्क्रिप्ट, कागज और पेन (फीडबैक के लिए), अभिनय के लिए कुछ छोटे प्रॉप्स (जैसे मोबाइल फोन, बैग आदि)।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक पूर्व में एक नाटक की स्क्रिप्ट तैयार कर लें।

गतिविधि के चरण -

तैयारी -

- सभी पात्रों का परिचय और भूमिका वितरण।
- संवाद का अभ्यास और तैयारी।
- सेटअप तैयार करना (पोस्टर और बैनर लगाना)।

प्रस्तुति -

प्रारंभिक दृश्य - विद्यालय का एक सामान्य दिन, जहाँ विद्यार्थी और शिक्षक मिलकर काम कर रहे हैं।

मध्य दृश्य -

- एक अजनबी विद्यालय के बाहर विद्यार्थियों से मिलने की कोशिश करता है और उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश करता है।
- शिक्षकों द्वारा गुड टच और बैड टच का महत्त्व समझाया जाता है।

- विद्यार्थी अपने अनुभव साझा करते हैं और सीखते हैं कि खतरे की स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया दें।

समापन दृश्य -

- विद्यार्थी अजनबी के खिलाफ कार्रवाई करते हैं और पुलिस की मदद से उसे पकड़वाते हैं।
- परिवार और विद्यालय में सुरक्षा के महत्त्व पर बल दिया जाता है और विद्यार्थियों को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

प्रश्न और उत्तर सत्र-

- विद्यार्थियों और अभिभावकों के सवालों का जवाब देना।
- गुड टच और बैड टच की पहचान कैसे करें? इस पर चर्चा करना।

फीडबैक-

- उपस्थित विद्यार्थियों और अभिभावकों से फीडबैक लेना।
- उनकी राय और सुझाव जानना।

सीखने के प्रतिफल -

- किशोर समझ पाएँगे कि कौन सा स्पर्श सुरक्षित है और कौन सा नहीं।
- विद्यार्थी जानेंगे कि खतरे की स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया दें और किससे मदद माँगे।
- विद्यार्थी और अभिभावक सुरक्षा के महत्त्व को समझेंगे और सतर्क रहेंगे।
- विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा के लिए कदम उठाने में सक्षम होंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे।

नवंबर 2024

थीम- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर

तिविधि का नाम - 'कल्पना की दुनिया' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों की भाषा कौशल, शब्दावली, व्याकरण, रचनात्मकता को सुधारना।

आवश्यक सामग्री- कागज, पेन, कम्प्यूटर / टैबलेट, कहानी प्रेरणा कार्ड, व्हाइटबोर्ड और मार्कर।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक कहानी की समीक्षा हेतु चेकलिस्ट को पूर्व में तैयार कर ले।
- कहानी लेखन और सहकर्मी समीक्षा सत्रों के दौरान विद्यार्थी सहभागिता का अवलोकन करेंगे।

गतिविधि के चरण-

A. रचनात्मक कहानी लिखना -

1. तैयारी -

कहानी प्रेरणा कार्ड (जिनमें कहानी के कुछ दृश्य हों) का एक सेट तैयार करेंगे। प्रत्येक कार्ड पर एक अलग प्रेरणा होनी चाहिए जो एक कहानी लेखन को प्रेरित करें।

उदाहरण -

- "एक समय यात्री की कहानी लिखें जो अतीत में फस जाता है।"
- "एक जादुई जंगल में एक साहसिक यात्रा का वर्णन करें।"
- "एक जासूस की कहानी बनाएँ जो एक छोटे शहर में एक रहस्य को सुलझाता है।"

2. कहानी लिखना-

- विद्यार्थियों को छोटे समूहों या जोड़ों में विभाजित करेंगे।
- प्रत्येक समूह को एक कहानी प्रेरणा कार्ड देंगे।
- समूहों को उनकी प्रेरणा के आधार पर एक छोटी कहानी लिखने के लिए 20-30 मिनट का समय देंगे।
- रचनात्मकता, व्याकरण और रोचक शब्दावली का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

3. कहानियों को साझा करना-

- प्रत्येक समूह अपनी कहानी कक्षा के सामने प्रस्तुत करेंगे।
- विद्यार्थियों को ध्यान से सुनने और नये शब्दों या किसी भी व्याकरण बिंदु को नोट करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

B. कहानी समीक्षा गतिविधि -

1. तैयारी –

कहानी की समीक्षा के लिए एक ऐसी चेकलिस्ट तैयार करेंगे जिसमें कहानी की स्पष्टता, व्याकरण और विराम चिह्न, शब्दावली का उपयोग, रचनात्मकता और मौलिकता जैसे मानदंड हों।

2. कहानियों की समीक्षा करना -

- सभी कहानियों के प्रस्तुत होने के बाद प्रत्येक विद्यार्थी को चेकलिस्ट की एक प्रति देंगे।
- विद्यार्थियों को अपनी कहानियों को किसी दूसरे समूह के साथ बदलने को कहेंगे।

- विद्यार्थियों को कहानी पढ़ने और उन्हें प्राप्त हुई कहानी के लिए चेकलिस्ट भरने के लिए 10-15 मिनट का समय देंगे।

3. प्रतिक्रिया-

- समूह समीक्षा की गई कहानियों को मूल लेखकों को वापस करेंगे।
- प्रत्येक समूह को मिली प्रतिक्रिया पर चर्चा करेंगे और वे क्या सुधार कर सकते हैं ? इस पर विचार करेंगे।
- रचनात्मक, आलोचनात्मक और सकारात्मक सुदृढ़ीकरण को प्रोत्साहित करेंगे।

C. संशोधन और अंतिम प्रस्तुति-

1. कहानियों का संशोधन-

विद्यार्थियों को मिली प्रतिक्रिया के आधार पर अपनी कहानियों को संशोधित करने का समय देंगे।

2. अंतिम प्रस्तुति-

- समूह अपनी संशोधित कहानियों को कक्षा के सामने प्रस्तुत करेंगे।
- सुधारों को उजागर करेंगे रचनात्मकता और प्रयास की सराहना करेंगे।

विस्तार गतिविधि-

कहानी संग्रह-सभी कहानियों को एक कक्षा संग्रह में संकलित करेंगे। संग्रह को मुद्रित करेंगे, बाँधेंगे तथा प्रत्येक विद्यार्थी को एक प्रति घर ले जाने के लिए देंगे।

मूल्यांकन-

- कहानी लेखन और समीक्षा सत्रों के दौरान विद्यार्थी सहभागिता का अवलोकन करेंगे।
- विद्यार्थियों की व्याकरण, शब्दावली, कहानी संरचना की समझ का मूल्यांकन करने के लिए कहानी प्रतिक्रिया चेकलिस्ट की समीक्षा करेंगे।
- सुधार और प्रतिक्रिया के समावेश के लिए संशोधित कहानियों का मूल्यांकन करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा कौशल, शब्दावली, व्याकरण और रचनात्मकता में सुधार होगा।

विशिष्ट गतिविधि-जीवन है अनमोल
(सड़क सुरक्षा हेतु एक सकारात्मक पहल)

गतिविधि का नाम- 'सड़क सुरक्षा (रोल प्ले)' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत करवाना।

आवश्यक सामग्री- यातायात चिह्न, कागज, पेन-पेंसिल।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक रोल प्ले में बताए गए सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने हेतु विद्यार्थियों को जागरूक करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यालय में निम्नलिखित लिखित विषयों पर विद्यार्थियों से रोल प्ले करवाएँगे-

- दुर्घटना से रखनी दूरी है, हेलमेट सबसे जरुरी है।
- सड़क पर एक लापरवाही, पूरे परिवार की तबाही।
- ट्रैफिक नियमों को मत समझो लगाम, यह तुम्हारे जीवन की सुरक्षा का है पैगाम।
- जहाँ भी हो ट्रैफिक का जंजाल, कभी न करें मोबाइल का इस्तेमाल।
- सड़क पर रखना शिष्टाचार, सुखी-सुरक्षित जीवन का आधार।

सीखने के प्रतिफल-

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक होंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'साथियों से जानें स्वयं का खेल कौशल' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- अपने साथियों से अपने खेल कौशल के बारे में जानना।

आवश्यक सामग्री- खेल उपकरण, पेपर, पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- गतिविधि के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के बीच उपस्थित रहकर लगातार उनका मार्गदर्शन करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थी जिस खेल में भाग लेता है उसके अनुसार शिक्षक विद्यार्थियों को समूह बनाकर बिठाएँगे।
- प्रत्येक समूह से उसके समूह में सम्मिलित प्रत्येक विद्यार्थी के खेल कौशल को जानने का प्रयास करेंगे।
- इसमें विद्यार्थी स्वयं अपनी खेल कौशल की गलतियों को नहीं बताएँगे बल्कि समूह में सम्मिलित अन्य विद्यार्थी बताएँगे कि उसके खेल कौशल में कौन-कौन से सुधार जरूरी है।

सीखने के प्रतिफल- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी टीम भावना के साथ-साथ खेल कौशल सीखेंगे।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम- 'चुंबकत्व में परिवर्तन' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- चुंबक की कार्य प्रणाली को समझना।

आवश्यक सामग्री- पाँच एक समान आकृति की छड़, चुंबक, स्प्रिट लैम्प व बर्फ आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- विद्यार्थियों से चुंबक के बारे में प्रश्न किए जाएँगे जैसे चुंबक किस प्रकार की वस्तुओं को अपनी ओर खींचती है? चुंबक का यह गुण क्या कहलाता है ? और चुंबक में सबसे अधिक चुंबकत्व कहाँ पाया जाता है? आदि।

गतिविधि के चरण-

- चुंबक पर ताप के प्रभाव को समझाने के लिए विद्यार्थियों को चार समूहों में बाँट देंगे तथा उन्हें निम्नलिखित लिखित कार्य करने को कहेंगे-
  - प्रथम समूह को कमरे के ताप पर चुंबक के चुंबकत्व को जाँचने के लिए कहेंगे।
  - द्वितीय समूह को चुंबक को थोड़ा गर्म कर उसके चुंबकत्व को जाँचने के लिए कहेंगे।
  - तृतीय समूह को चुंबक को बहुत तेज गर्म करके उसके चुंबकत्व को जाँचने के लिए कहेंगे।
  - चतुर्थ समूह को बर्फ में रखकर ठंडा करके उसके चुंबकत्व को जाँचने के लिए कहेंगे।
- इस प्रकार प्रत्येक समूह से अपने-अपने परिणाम को लिखकर रखने को कहा जाएगा।
- जब सभी प्रयोग हो जाएँ तो समूहवार अपने-अपने परिणाम लिखकर साझा करने को कहा जाएगा ताकि सभी विद्यार्थियों को विभिन्न परिस्थितियों में चुंबक के प्रभाव के बारे में जानकारी प्राप्त हो।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी चुंबक पर ताप के प्रभाव को प्रायोगिक रूप से समझ सकेंगे।

- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

अन्य गतिविधि

गतिविधि का नाम- 'स्टेज फ्राइट (मंच भय)' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों के मन से मंच का भय दूर करना।

आवश्यक सामग्री- माइक सेट।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक आवश्यक रूप से प्रत्येक विद्यार्थी को मंच पर आने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों से प्रार्थना सभा या किसी अन्य विद्यालयी आयोजन में मंच पर प्रस्तुति करवाएँगे। मंच पर प्रस्तुतीकरण हेतु निम्नलिखित लिखित विषय उपयोग में लिए जा सकते हैं-
    - कविता
    - कहानी
    - गीत / बाल गीत / अभियान गीत / देशभक्ति गीत
    - नृत्य
    - एकाभिनय / रोल प्ले / मूकाभिनय इत्यादि।
- शिक्षक मंच पर प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देंगे तथा अभी तक प्रस्तुति नहीं देने वाले विद्यार्थियों को आगामी प्रस्तुति हेतु अभिप्रेरित एवं तैयार करेंगे।

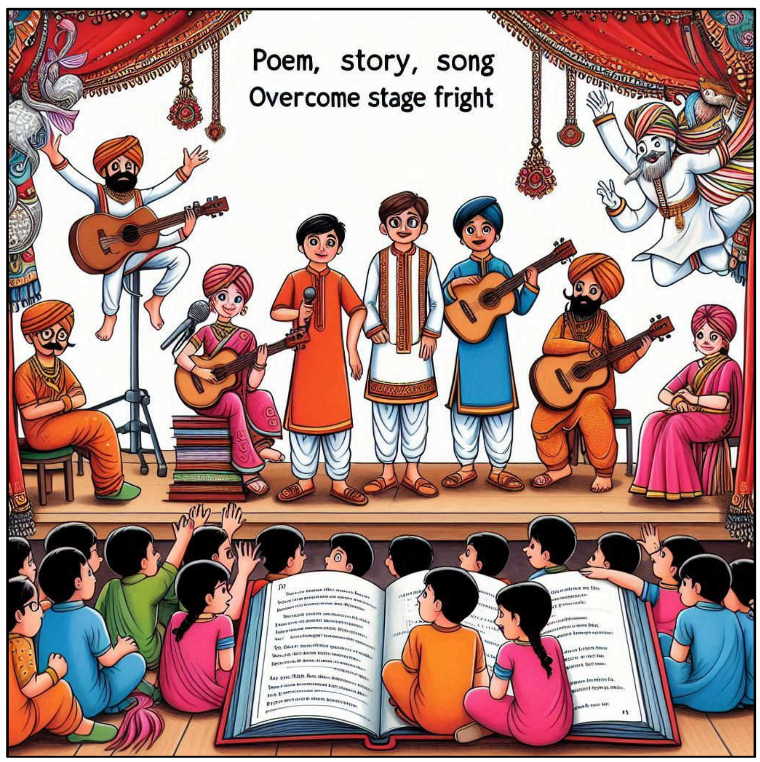

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में मंच पर प्रस्तुतीकरण संबंधी भय दूर होगा।
- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।

थीम- बाल सभा-मेरे अपनों के संग

गतिविधि का नाम- 'ग्लोबल वार्मिंग बनाम पर्यावरण संरक्षण' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को ग्लोबल वार्मिंग के कारणों और प्रभावों के बारे में जागरूक करना।
- जल संरक्षण के महत्त्व को समझाना।
- विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से पर्यावरण संरक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित करना।

आवश्यक सामग्री- पोस्टर बनाने के लिए कागज, रंग, पेंसिल, मार्कर, प्रेजेंटेशन के लिए कम्प्यूटर और प्रोजेक्टर (वैकल्पिक), पानी के संरक्षण के लिए आवश्यक सामग्री (जैसे पानी की बाल्टी, टब आदि)।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों के बीच उपस्थित रहकर उनका मार्गदर्शन करें।

गतिविधि के चरण-

चरण 1- ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण संरक्षण पर प्रस्तुति-

शिक्षक एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से ग्लोबल वार्मिंग के कारणों, प्रभावों और समाधान पर चर्चा करेंगे। यह प्रेजेंटेशन इंटरैक्टिव होगा जहाँ विद्यार्थी प्रश्न पूछ सकते हैं और अपने विचार साझा कर सकते हैं।

चरण 2- पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता-

विद्यार्थियों को तीन समूहों में विभाजित करें। हर समूह ग्लोबल वार्मिंग, जल संरक्षण और वृक्षारोपण पर पोस्टर बनाएगा। सबसे अच्छा पोस्टर बनाने वाले विद्यार्थी को पुरस्कार दिया जाएगा।

नोट-पोस्टर में चित्रों और स्लोगनों का उपयोग करें जो संदेश को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें।

जल संरक्षण गतिविधि-

विद्यार्थियों को जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी जैसे कि नल को बंद रखना, बारिश के पानी को इकट्ठा करना आदि। इसके बाद वे स्कूल परिसर में कुछ समय जल संरक्षण के तरीकों को व्यावहारिक रूप से लागू करेंगे जैसे कि वर्षा जल संग्रहण प्रणाली की जाँच करना और उसके लाभ को समझना।

चरण 5-निष्कर्ष और प्रतिज्ञा-

सभी विद्यार्थी एकत्र होंगे और अपने अनुभव साझा करेंगे। अंत में सभी विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी की प्रतिज्ञा लेंगे।

प्रतिज्ञा

"मैं प्रतिज्ञा करता / करती हूँ कि मैं पर्यावरण की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करूँगा / करूँगी। मैं जल का संरक्षण करूँगा / करूँगी। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करूँगा / करूँगी और ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में अपना योगदान दूँगा / दूँगी।"

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी ग्लोबल वार्मिंग के कारणों और प्रभावों के बारे में जागरूक होंगे।

- विद्यार्थी जल संरक्षण के महत्त्व को समझेंगे।
- विद्यार्थी सक्रिय रूप से पर्यावरण संरक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित होंगे।

दिसंबर 2024

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम- 'राजस्थान के वीर एवं वीरांगनाएँ' (वीरों की गाथा-नाटक एवं प्रस्तुति) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- गाथाओं के माध्यम से राजस्थान के वीर और वीरांगनाओं का परिचय करवाना।
- सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का सम्मान करना।

आवश्यक सामग्री- नाटक की स्क्रिप्ट (वीरों की गाथाओं पर आधारित), पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण, प्रॉप्स (जैसे तलवारें, ढाल, घोड़े का मॉडल आदि), रंग-मंच और सजावट के लिए सामान, साउंड सिस्टम और माइक, कागज, पेन और रंगीन कागज।

शिक्षक हेतु निर्देश - विद्यार्थियों को गाथाओं के बारे में जानकारी और स्क्रिप्ट प्रदान करेंगे। उन्हें अपनी स्क्रिप्ट लिखने के लिए प्रेरित करेंगे।

गतिविधि के चरण-

1. शोध और स्क्रिप्ट लेखन-

- विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटेंगे।
- प्रत्येक समूह अपने वीर या वीरांगना के बारे में जानकारी जुटाएगा और स्क्रिप्ट तैयार करेंगे।
- यदि स्क्रिप्ट पहले से तैयार है तो उसे समूह के सदस्यों में विभाजित करेंगे।

2. प्रॉप्स और वेशभूषा तैयार करना-

- समूह अपने नाटक के लिए प्रॉप्स और वेशभूषा तैयार करेंगे।
- पारंपरिक वेशभूषा और आभूषण का उपयोग करेंगे।

3. अभ्यास करना-

- समूह के विद्यार्थी नाटक में अपनी भूमिका निभाने का अभ्यास करेंगे।
- संवादों को याद रखना और सही तरीके से बोलना सुनिश्चित करेंगे।

4. मंच सज्जा-

- रंग-मंच को सजाएँगे और प्रस्तुति के लिए तैयार करेंगे।
- साउंड सिस्टम और माइक का प्रबंध करेंगे।

5. प्रस्तुति देना-

- प्रत्येक समूह अपने नाटक को कक्षा या विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करेंगे।
- प्रस्तुति के बाद दर्शकों के लिए प्रश्नोत्तरी आयोजित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी न केवल राजस्थान के वीरों और वीरांगनाओं के शौर्य को जान पाएँगे बल्कि उनके अभिनय और प्रस्तुति कौशल में भी सुधार होगा।
- यह गतिविधि विद्यार्थियों को इतिहास से जोड़ते हुए उनकी रचनात्मकता को भी प्रोत्साहित करेगी।

विशिष्ट गतिविधि- No to Tobacco
(तंबाकू से बचाव की मुहिम)

गतिविधि का नाम-'Say No to Tobacco' (रोल प्ले एवं विशेषज्ञ वार्ता) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों से अवगत करवाना।

आवश्यक सामग्री- पोशाक, प्रोप्स आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को रोल प्ले हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाएँगे।
- शिक्षक रोल प्ले एवं विशेषज्ञ वार्ता के निष्कर्षों को संक्षेप में विद्यार्थियों के समक्ष दोहराएँगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित मुख्य अतिथि के समक्ष विद्यार्थियों से रोल प्ले करवाएँगे।
- विशेषज्ञ तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों पर विद्यार्थियों से प्रभावी संवाद करेंगे।
- शिक्षक विशेषज्ञ के रूप में निम्नलिखित लिखित व्यक्तियों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सकते हैं -
    - विद्यालय के समीप स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सेवारत चिकित्साकर्मी।
    - आशा सहयोगिनी।
    - सामाजिक कार्यकर्त्ता।
    - ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- विद्यार्थी तंबाकूरोधी मुहिम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।

थीम- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम- 'स्पेल बी स्पर्धा' (अंग्रेजी) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों के शब्दावली ज्ञान को बढ़ाना।
- सही स्पेलिंग के महत्त्व को समझाना।
- आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री- शब्दों की सूची (विभिन्न कठिनाई स्तर के शब्द), टाइमर या स्टॉपवॉच, पुरस्कार (वैकल्पिक), नोटबुक, पेन / पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को स्पेलिंग बी प्रतियोगिता के नियम और उद्देश्य समझाएँगे।
- प्रतियोगिता के लिए शब्दों की सूची तैयार करेंगे जिसमें सरल से कठिन शब्द सम्मिलित हों।

गतिविधि के चरण-

1. प्रस्तावना- स्पेलिंग बी प्रतियोगिता के महत्त्व और उद्देश्य के बारे में चर्चा करेंगे।

2. प्रतियोगिता की तैयारी- विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के नियम समझाएँगे।

उदाहरण के लिए-

- प्रत्येक विद्यार्थी को एक शब्द दिया जाएगा।
- विद्यार्थी को शब्द का सही उच्चारण करना होगा और फिर उसे सही स्पेलिंग लिखनी होगी।
- यदि विद्यार्थी शब्द को गलत स्पेल करता है तो उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाएगा।
- अंतिम तक सही स्पेलिंग बताने वाला विद्यार्थी विजेता होगा।

3. प्रतियोगिता- एक-एक करके विद्यार्थियों को शब्द देंगे और उनकी स्पेलिंग सुनेंगे।

4. प्रशंसा और पुरस्कार वितरण- विजेताओं को पुरस्कार देते हुए सभी विद्यार्थियों के प्रयास की प्रशंसा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों का शब्दकोश बढ़ेगा।
- सही स्पेलिंग लिखने की आदत विकसित होगी।
- शब्दों के उच्चारण और अर्थ को समझने की क्षमता बढ़ेगी।

अन्य गतिविधि
करियर-एक सुनहरे भविष्य की राह

गतिविधि का नाम- 'करियर क्रॉसवर्ड' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जागरूक करना।
- विद्यार्थियों के शब्दावली और करियर संबंधित ज्ञान को बढ़ाना।
- टीम वर्क और समस्या समाधान कौशल को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास करना।

आवश्यक सामग्री-क्रॉसवर्ड पजल प्रिंटआउट (प्रत्येक विद्यार्थी के लिए एक), कागज, पेंसिल / पेन, प्रोजेक्टर और स्क्रीन (वैकल्पिक), प्रोजेक्टर पर दिखाने के लिए बड़ी क्रॉसवर्ड पजल, घड़ी (समय प्रबंधन के लिए), पुरस्कार (वैकल्पिक)।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और प्रक्रिया बताएँगे।

- प्रत्येक विद्यार्थी को एक क्रॉसवर्ड पजल प्रिंटआउट दिया जाएगा।
- विद्यार्थियों को पजल को हल करने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाएगा।
- पजल हल करने के बाद शिक्षक पजल के समाधान पर चर्चा करेंगे और सही उत्तर बताएँगे।
- सर्वप्रथम पजल हल करने वाले समूह को पुरस्कार दिए जा सकते हैं।

गतिविधि के चरण-

- **परिचय और उद्देश्य-**
  - शिक्षक विद्यार्थियों को बताएँगे कि हम एक करियर क्रॉसवर्ड पजल खेलेंगे जिससे हमें विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानने का मौका मिलेगा।
- **क्रॉसवर्ड पजल वितरण-** प्रत्येक विद्यार्थी को एक क्रॉसवर्ड पजल का प्रिंटआउट दिया जाएगा।
- **पजल हल करना-**
  - विद्यार्थी अपने समूह के साथ मिलकर क्रॉसवर्ड पजल को हल करेंगे।
  - शिक्षक इस दौरान कक्षा में घूमकर विद्यार्थियों की सहायता करेंगे और उन्हें मार्गदर्शन देंगे।
- **समाधान और चर्चा-**
  - शिक्षक पजल के समाधान पर चर्चा करेंगे और सही उत्तर बताएँगे।
  - यह भी बताया जाएगा कि प्रत्येक करियर विकल्प क्या है और उसमें क्या काम होता है।
- **पुरस्कार वितरण-** सर्वप्रथम सही पजल हल करने वाले समूह को पुरस्कार दिए जाएँगे।

सीखने के प्रतिफल-

- इस गतिविधि के माध्यम से कक्षा 9-12 के विद्यार्थी करियर विकल्पों के बारे में मजेदार और इंटरैक्टिव तरीके से सीखेंगे और उनके करियर मार्गदर्शन में सहायता मिलेगी।
- विद्यार्थी विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानेंगे और उनके बारे में अधिक समझ बनाने में सक्षम होंगे।

CAREER CROSSWORD-

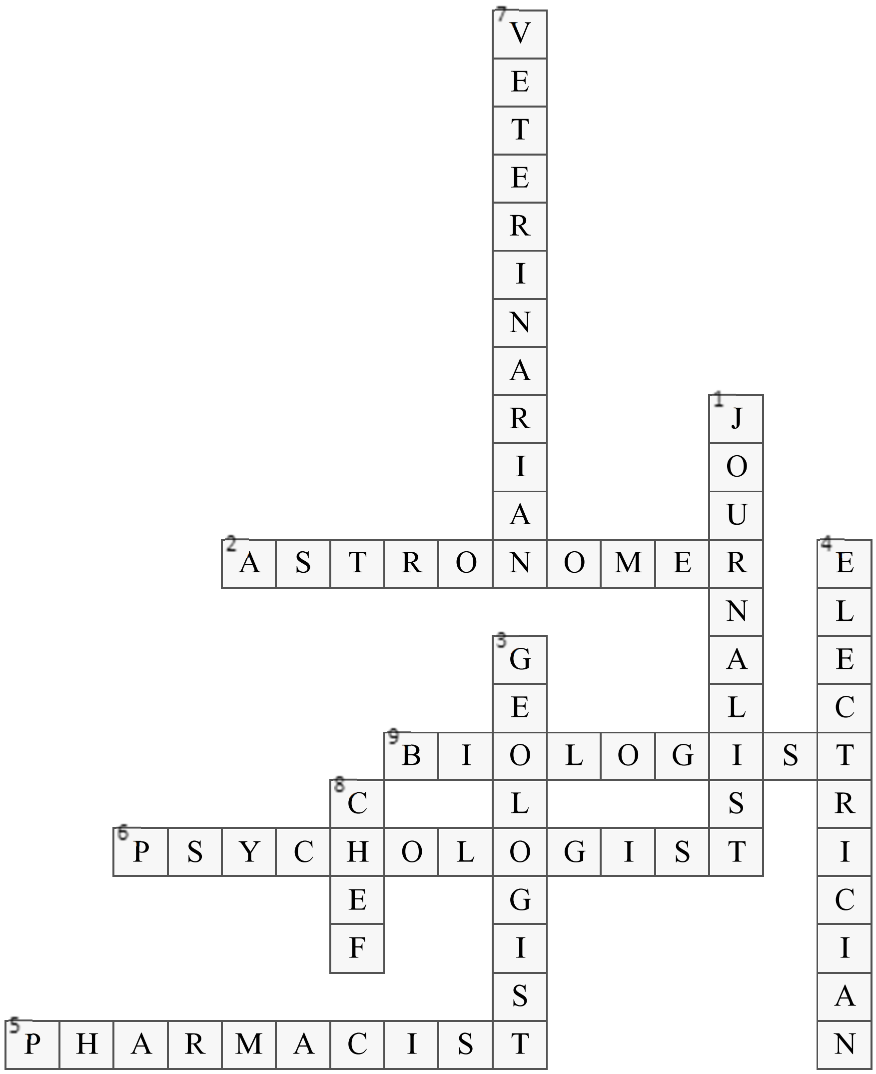

दाएँ से बाएँ

2. खगोलीय पिंडों और ब्रह्मांड का अध्ययन करने वाला / करने वाली। (Astronomer)

5. दवाएँ वितरित करता है और स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्रदान करता / करती है। (Pharmacist)

6. व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता / करती है। (Psychologist)

9. जीवित जीवों और उनकी अंत:क्रियाओं का अध्ययन करता / करती है। (Biologist)

ऊपर से नीचे

1. जनता को समाचार और जानकारी प्रदान करता / करती है। (Journalist)

3. पृथ्वी की संरचना और प्रक्रियाओं का अध्ययन करता / करती है। (Geologist)

4. विद्युत प्रणालियों को स्थापित और रखरखाव करता है / करती है। (Electrician)

7. जानवरों का इलाज और देखभाल करता / करती है। (Veterinarian)

8. पेशेवर तरीके से खाना बनाती / बनाता है। (Chef)

जनवरी 2025

करियर- एक सुनहरे भविष्य की राह

गतिविधि का नाम- 'करियर मेला' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों और अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- करियर मार्गदर्शन और पेशेवर जीवन की तैयारी में सहायता करना।
- विद्यार्थियों को अपने करियर रुचियों का पता लगाने और उनके बारे में जानकारी एकत्र करने में सक्षम बनाना।

आवश्यक सामग्री- कागज, पेंसिल / पेन, पोस्टर बोर्ड, मार्कर, स्टिकी नोट्स, प्रदर्शनी टेबल, प्रोजेक्टर और लैपटॉप (वैकल्पिक), नाम टैग (नेम टेग) और कैमरा (तस्वीरें लेने के लिए)।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- सभी विद्यार्थियों को नाम टैग वितरित करें और उन्हें अपना नाम और इच्छित करियर (यदि जानते हों) लिखने के लिए कहें।
- शिक्षक करियर मेले की अवधारणा और इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बताएँ।
- विद्यार्थियों के छोटे समूह को एक करियर स्टॉल तैयार करने के लिए कहें जिसमें वे अपने इच्छित करियर के बारे में जानकारी प्रस्तुत करें।
- विद्यार्थियों को एक-दूसरे के स्टॉल पर जाकर विभिन्न करियर के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक करियर मेले के उद्देश्य और गतिविधि की रूपरेखा बताएँगे।
- **स्टॉल की तैयारी-** विद्यार्थियों को उनके चुने हुए करियर पर पोस्टर और जानकारी तैयार करने के लिए कहें। प्रत्येक स्टॉल पर निम्नलिखित लिखित जानकारी सम्मिलित होनी चाहिए-
  - करियर का परिचय।
  - आवश्यक शिक्षा और कौशल।
  - संभावित नौकरी की भूमिका और जिम्मेदारियाँ।
  - वेतन और विकास की संभावनाएँ।
  - क्षेत्र में शीर्ष कंपनियाँ और संस्थान।
- विद्यार्थियों को अपने स्टॉल सजाने और जानकारी प्रदर्शित करने के लिए कहें।

- ➢ विद्यार्थियों को एक-दूसरे के स्टॉल पर जाकर जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहें। वे अपने सवाल पूछ सकते हैं और जानकारी नोट कर सकते हैं।
- ➢ विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करने और करियर मेले के बारे में फीडबैक देने के लिए कहें। शिक्षक विचारों का समेकन करेंगे और महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे और उनके बारे में जागरूक होंगे।
- इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे करियर की तैयारी के लिए आवश्यक शिक्षा और कौशल के बारे में जानने में सक्षम होंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'खेलों में अनुशासन' 60 मिनट

गतिविधि उद्देश्य- विद्यार्थियों में खेल अनुशासन की भावना विकसित करना।

आवश्यक सामग्री- आवश्यकतानुसार।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों के बीच रहकर अनुशासन के बारे में बताएँ।

गतिविधि के चरण-

- ➢ विद्यार्थी आपस में चर्चा करेंगे कि कैसे किसी खेल को अनुशासन में खेला जा सकता है।
- ➢ किसी भी खेल को खेलने के लिए किस प्रकार का अनुशासन रखना जरूरी होता है ?
- ➢ विद्यार्थी अनुशासन में रहते हुए खेलने की योजना बनाएँगे।
- ➢ उक्त सभी बिंदुओं पर विद्यार्थी आपस में विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें शारीरिक शिक्षक एवं विद्यालय प्रभारी उनको अनुशासन से जुड़े प्रसंग भी बताएँगे।

सीखने के प्रतिफल- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी अनुशासन के साथ खेलने की समझ विकसित कर सकेंगे।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम- 'कृषि में नई तकनीकें' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- ➢ विद्यार्थियों को कृषि में नई तकनीकों के महत्त्व और उनके उपयोग के बारे में जानकारी देना।
- ➢ विद्यार्थियों में अनुसंधान और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक नई कृषि तकनीक जैसे कि ड्रिप सिंचाई, जैविक खेती, हाइड्रोपोनिक्स, ड्रोन तकनीक आदि के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दें।

गतिविधि के चरण-

1. समूह निर्माण और विषय आवंटन- विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित करेंगे और प्रत्येक समूह को एक तकनीक आवंटित करेंगे।

2. अनुसंधान और तैयारी- प्रत्येक समूह अपनी तकनीक पर अनुसंधान करेंगे, जानकारी एकत्र करेंगे और अपने प्रजेंटेशन तथा मॉडल / चार्ट बनाएगा।

3. प्रस्तुतीकरण- प्रत्येक समूह अपने प्रजेंटेशन और मॉडल / चार्ट को कक्षा के सामने प्रस्तुत करेंगे। अन्य समूहों के सदस्य प्रश्न पूछ सकते हैं और चर्चा में भाग ले सकते हैं।

4. विश्लेषण और मूल्यांकन- शिक्षक प्रत्येक समूह के प्रजेंटेशन और मॉडल /चार्ट का मूल्यांकन करेंगे और फीडबैक देंगे।

सीखने के प्रतिफल- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को कृषि में नई तकनीकों की जानकारी और उनकी व्यावहारिक उपयोगिता के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

विशिष्ट गतिविधि -जीवन है अनमोल
(सड़क सुरक्षा हेतु एक सकारात्मक पहल)

गतिविधि का नाम- '108 एम्बुलेंस' (रोल प्ले एवं अवलोकन) 60 मिनट

आवश्यक सामग्री- एम्बुलेंस चालक, मरीज, मरीज के रिश्तेदार / पड़ोसी, ग्राहक सेवा प्रतिनिधि (108 हेल्प डेस्क) व डॉक्टर इत्यादि की भूमिकाओं में विद्यार्थी।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक रोल प्ले हेतु विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाएँगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों को उल्लेखित पात्रों के माध्यम से रोल प्ले करवाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को विद्यालय के समीप उपलब्ध 108 एम्बुलेंस का अवलोकन करवाएँगे अथवा विद्यालय परिसर में इसका प्रबंध करवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों को 108 एम्बुलेंस के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- विद्यार्थी 108 एम्बुलेंस की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।

AMBULANCE
AMBULANCE
108

फरवरी 2025

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम- 'राजस्थान के पारंपरिक उद्योग और करियर' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को राजस्थान के पारंपरिक उद्योगों और उनसे संबंधित करियर के अवसरों के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को राजस्थान की हस्तशिल्प, वस्त्र उद्योग और अन्य पारंपरिक उद्योगों के महत्त्व से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री- पोस्टर, बोर्ड, मार्कर, रंगीन पेपर, कैंची, चिपकने वाला टेप, गोंद, प्रिंट किए गए सूचना पत्रक, राजस्थान के पारंपरिक उद्योगों और करियर के बारे में चित्र और वीडियो (यदि उपलब्ध हो), प्रोजेक्टर और लैपटॉप (वीडियो दिखाने के लिए), राजस्थान के पारंपरिक उद्योगों पर किताबें या इंटरनेट से प्राप्त जानकारी, इंटरव्यू या विशेषज्ञ से बातचीत (यदि संभव हो)।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को राजस्थान के पारंपरिक उद्योगों जैसे बाँधनी, लहरिया, ब्लू पॉटरी, जूट उद्योग, संगमरमर के काम, काठकला और पत्थर कटाई आदि के बारे में संक्षिप्त जानकारी देंगे।
- उन्हें राजस्थान के उद्योगों पर एक वीडियो दिखाएँगे।
- समूह गतिविधियों के माध्यम से चर्चा करेंगे और पोस्टर बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।
- विद्यार्थियों को उनके बनाए गए पोस्टरों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान करेंगे।
- एक स्थानीय उद्योग विशेषज्ञ या हस्तशिल्प कलाकार को आमंत्रित करें।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को राजस्थान के पारंपरिक उद्योगों और करियर अवसरों पर एक शैक्षिक वीडियो दिखाएँगे, जिसमें विभिन्न उद्योगों के दृश्य और उनसे जुड़ी गतिविधियाँ सम्मिलित हों।
- वीडियो के बाद विद्यार्थियों से उनके विचार पूछेंगे।
- विद्यार्थियों को 4-4 के समूह में विभाजित करेंगे।
- उन्हें राजस्थान के किसी एक पारंपरिक उद्योग पर एक पोस्टर बनाने के लिए कहेंगे। पोस्टर में उद्योग की मुख्य विशेषताएँ, उत्पादन प्रक्रिया और उससे जुड़े करियर अवसरों को दर्शाएँगे।

- विशेषज्ञ को उद्योग की प्रक्रिया, लाभ और करियर संभावनाओं पर बात करने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे ताकि उनकी शंकाओं का समाधान हो सके।
- प्रत्येक समूह को अपने पोस्टर के साथ मंच पर बुलाएँगे और उन्हें अपने पोस्टर के बारे में विस्तार से बताने के लिए कहेंगे।
- अन्य विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे ताकि वे अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें और अपनी शंकाओं का समाधान कर सकें।
- विद्यार्थियों से पूछेंगे कि उन्होंने इस गतिविधि से क्या सीखा।
- उनकी प्रतिक्रियाओं और सुझावों को सुनेंगे ताकि भविष्य में गतिविधियों को और भी प्रभावी बनाया जा सके।
- विद्यार्थियों को राजस्थान के पारंपरिक उद्योगों और करियर के बारे में अधिक जानकारी के लिए संदर्भ सामग्री और वेबसाइट्स की सूची प्रदान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को राजस्थान के पारंपरिक उद्योगों और उनसे संबंधित करियर के अवसरों के बारे में जानकारी मिलेगी।
- विद्यार्थी राजस्थान की हस्तशिल्प, वस्त्र उद्योग और अन्य पारंपरिक उद्योगों के महत्त्व को समझेंगे।
- यह गतिविधि विद्यार्थियों के रचनात्मकता, टीमवर्क संवाद कौशल को बढ़ावा देने में सहायता करेगी और उन्हें अपनी प्रस्तुति एवं चर्चा के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

अन्य गतिविधि

करियर- एक सुनहरे भविष्य की राह

गतिविधि का नाम- 'नेटवर्किंग' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को नेटवर्किंग के महत्त्व को समझाना।
- करियर मार्गदर्शन और अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- प्रभावी संचार और बातचीत कौशल का विकास करना।
- आत्मविश्वास और प्रोफेशनल नेटवर्क बनाने की क्षमता को बढ़ावा देना।

आवश्यक सामग्री- नेम टेग, कागज और पेंसिल/पेन, चार्ट पेपर और मार्कर, स्नैक्स और ड्रिंक्स (वैकल्पिक), घड़ी (समय प्रबंधन के लिए), नेटवर्किंग बिंगो कार्ड।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- सभी विद्यार्थियों को नाम टैग वितरित करें। उन्हें अपना नाम और इच्छित करियर (यदि जानते हों) लिखने के लिए कहें।
- शिक्षक नेटवर्किंग की अवधारणा और इसके करियर विकास में महत्त्व के बारे में बताएँ।
- विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में विभाजित करें और उन्हें एक-दूसरे के साथ मिलकर बातचीत करने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को एक बिंगो कार्ड दें जिसमें विभिन्न लक्षण और अनुभव लिखे होंगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक नेटवर्किंग के महत्त्व और उद्देश्यों की व्याख्या करेंगे।
- 'दो सच्चाइयाँ और एक झूठ' खेल खेलें (देखें परिशिष्ट) जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी अपने बारे में तीन बातें कहेगा जिनमें से दो सच्ची होंगी और एक झूठ। बाकी विद्यार्थियों को झूठ पहचानना होगा। विद्यार्थियों को एक-दूसरे के साथ 5-5 मिनट की बातचीत करने के लिए कहें। बातचीत के दौरान वे निम्नलिखित लिखित विषयों पर चर्चा कर सकते हैं-
    - उनकी करियर की आकांक्षाएँ
    - उनकी ताकत और रुचियाँ
    - वे किस प्रकार का करियर मार्गदर्शन चाहते हैं

  नेटवर्किंग बिंगो- विद्यार्थियों को एक बिंगो कार्ड दिया जाएगा जिसमें विभिन्न लक्षण और अनुभव लिखे होंगे (जैसे "किसी ने विज्ञान प्रोजेक्ट जीता हो," "किसी ने विदेश यात्रा की हो," आदि)। विद्यार्थियों को बिंगो कार्ड को पूरा करने के लिए अपने सहपाठियों से मिलकर उनके लक्षणों और अनुभवों के बारे में पूछना होगा। यह गतिविधि विद्यार्थियों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और जानने के लिए प्रेरित करेगी। (देखें परिशिष्ट)
- सभी विद्यार्थी मिलकर मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। शिक्षक सीखने के प्रमुख बिंदुओं को चार्ट पेपर पर लिखेंगे।
- विद्यार्थियों को इस अनुभव के बारे में अपने विचार साझा करने के लिए कहें। शिक्षक उन्हें फीडबैक देंगे और गतिविधि का निष्कर्ष निकालेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- इस गतिविधि के माध्यम से कक्षा 9-12 के विद्यार्थी नेटवर्किंग के महत्त्व को समझेंगे और अपने करियर के लिए आवश्यक कौशल का विकास करेंगे।
- उनके बातचीत और प्रभावी संचार कौशल में सुधार होगा।
- नए लोगों से मिलने और बातचीत करने में उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

परिशिष्ट

नेटवर्किंग बिंगो कार्ड

बिंगो कार्ड के लिए निर्देश-

- प्रत्येक विद्यार्थी को एक बिंगो कार्ड दिया जाएगा।
- बिंगो कार्ड पर विभिन्न वर्गों में विभिन्न लक्षण और अनुभव लिखे होंगे।
- विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों से मिलकर बातचीत करनी होगी और यह पता लगाना होगा कि कौन से लक्षण और अनुभव किसके पास हैं।
- जब कोई विद्यार्थी किसी वर्ग के लिए सही व्यक्ति ढूँढ़ लेता है तो उस वर्ग में उस व्यक्ति का नाम लिखना होगा।
- कार्ड पूरा करने वाले पहले कुछ विद्यार्थियों को प्रोत्साहन के रूप में छोटे पुरस्कार दिए जा सकते हैं।

बिंगो कार्ड उदाहरण-

(यह एक 5x5 ग्रिड है। आप इसे कागज पर प्रिंट या हाथ से बना सकते हैं।)

किसी ने विज्ञान प्रोजेक्ट जीता हो	किसी ने विदेश यात्रा की हो	किसी ने किताब लिखी हो	किसी ने स्कूल में स्पोर्ट्स खेला हो	किसी ने संगीत वाद्ययंत्र बजाया हो
किसी ने स्वयंसेवा की हो	किसी ने नया कौशल सीखा हो	किसी ने डांस प्रतियोगिता जीती हो	किसी ने आर्ट प्रदर्शनी में हिस्सा लिया हो	किसी ने फ्रीलांस काम किया हो
किसी ने व्यवसाय शुरू किया हो	किसी ने भाषण प्रतियोगिता जीती हो	किसी ने कविता लिखी हो	किसी ने विज्ञान प्रदर्शनी में हिस्सा लिया हो	किसी ने तकनीकी कौशल सीखा हो
किसी ने पालतू जानवर पाला हो	किसी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया हो	किसी ने नेतृत्व की भूमिका निभाई हो	किसी ने उद्यमिता कार्यशाला में भाग लिया हो	किसी ने चित्रकला की हो
किसी ने फोटोग्राफी की हो	किसी ने थिएटर या नाटक में हिस्सा लिया हो	किसी ने सोशल मीडिया पर ब्लॉगिंग की हो	किसी ने कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग सीखी हो	किसी ने अपनी छोटी दुकान चलाई हो

आइस-ब्रेकर खेल-दो सच्चाइयाँ और एक झूठ

खेल के निर्देश- 'दो सच्चाइयाँ और एक झूठ' खेल में सभी विद्यार्थी बारी-बारी से अपनी दो सच्चाइयाँ और एक झूठ बोलते हैं। बाकी समूह को यह अनुमान लगाना होता है कि कौनसा बयान झूठ है। यहाँ पर चरणबद्ध प्रक्रिया दी गई है-

- हर विद्यार्थी तीन बातें सोचता है: दो सच्चाइयाँ और एक झूठ। उन्हें याद रखना होता है कि कौनसी बात झूठ है।
- एक विद्यार्थी शुरू करता है और अपने तीन बयान समूह के सामने प्रस्तुत करता है बिना यह बताए कि कौनसा बयान झूठ है।
- बाकी विद्यार्थी समूह उस विद्यार्थी से सवाल पूछ सकते हैं या बातचीत कर सकते हैं ताकि यह जानने की कोशिश करें कि कौनसा बयान झूठ है। हर विद्यार्थी को यह अनुमान लगाने का मौका दिया जाता है कि कौनसा बयान झूठ है।
- जब सभी ने अपने अनुमान व्यक्त कर दिए तब बयान देने वाला व्यक्ति बताता है कि कौनसा बयान झूठ था।
- इसके बाद अगले व्यक्ति की बारी होती है और खेल इसी तरह चलता रहता है।

  उदाहरण-

  यदि एक विद्यार्थी के कथन इस प्रकार हों-

  - मैं कभी पैराशूट से कूद चुका हूँ।
  - मुझे कुत्तों से डर लगता है।
  - मैंने पेरिस का एफिल टॉवर देखा है।

समूह के सदस्य सवाल पूछ सकते हैं, जैसे-

- "तुमने पैराशूट से कब कूदा था?"
- "किस तरह के कुत्तों से तुम्हें डर लगता है?"
- "तुम पेरिस कब गए थे?"

यह सवाल विद्यार्थियों को बयानों की सत्यता का मूल्यांकन करने में सहायता करेंगे।

उत्तर का खुलासा-

जब सभी ने अनुमान लगा लिया, तब व्यक्ति कहेगा-

- "मुझे कुत्तों से डर लगता है" झूठ है।
- फिर वह सच्चाइयाँ और झूठ के बारे में विस्तार से बता सकता है।

- इस प्रक्रिया से सामने वाले को सच्चाई और झूठ का पता चलता है। यह खेल मनोरंजक होने के साथ-साथ लोगों को एक-दूसरे को बेहतर जानने का मौका भी देता है।

थीम- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम- 'विभिन्न भाषाओं में अनुवाद'(भारत की विभिन्न भाषाएँ) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- भाषा ज्ञान और संवाद कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा और सांस्कृतिक विविधता को समझना

- अनुवाद कौशल को सुधारना

आवश्यक सामग्री- विभिन्न भाषाओं के शब्दकोश या अनुवाद साधन (ऑनलाइन या पुस्तक), कम्प्यूटर या मोबाइल डिवाइस, कागज और पेंसिल/पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- अनुवाद के दौरान भाषा के सांस्कृतिक पहलुओं और व्याकरण की विविधताओं को ध्यान में रखें।
- विद्यार्थियों से अलग-अलग भाषाओं में वाक्यों का अनुवाद कराने का अभ्यास कराएँ।

गतिविधि के चरण-

प्रस्तावना-भाषा अनुवाद के महत्त्व और उद्देश्य के बारे में चर्चा करेंगे।

अनुवाद का सत्र-विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं में वाक्यों का अनुवाद करने के लिए समूह में बाँटेंगे।

चर्चा और समाधान-अनुवाद के बाद समूह में बातचीत करेंगे और अनुवाद की समस्याओं का समाधान निकालेंगे।

संक्षेप और समापन-अनुवाद की सटीकता और भाषाई विविधता के महत्त्व पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों की भाषा कौशल और समझ में सुधार होगा।
- भाषाओं के साथ सांस्कृतिक संबंधों की समझ में वृद्धि होगी।
- विभिन्न भाषाओं के नवीन शब्दकोश में वृद्धि होगी।

अन्य गतिविधि- उपभोक्ता जागरुकता

गतिविधि का नाम- 'मानकीकरण चिह्न' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विभिन्न मानकों की पहचान करना।

आवश्यक सामग्री- आस-पास की विभिन्न वस्तुओं के खाली पैकेट।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को मानकों के महत्त्व को समझाएँगे।

गतिविधि के चरण- शिक्षक विभिन्न प्रकार के मानकों की पहचान करवाएँगे-

- इसके बाद विद्यार्थी स्वयं अपने पास के खाली पैकेट पर इन मानकों को ढूँढेगा और पहचान करेंगे।
- संभव हो तो विद्यालय के अन्य उपकरणों पर भी इन मानकों की पहचान करेंगे।
- इसके पश्चात शिक्षक मानक चिह्नों की उपयोगिता को बताएँगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी विभिन्न मानक चिह्नों की पहचान कर पाएगा।

- ➢ विद्यार्थी प्रत्येक मानक के उपयोग को समझ पाएगा तथा किसी भी सामान को खरीदते वक्त इसका ध्यान रखेंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'कागज के लिफाफे व कपड़े के थैले का निर्माण' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को खेल-खेल में उपयोगी सामग्री बनाना सिखाना।

आवश्यक सामग्री- पुराने कपड़े, सूई धागा, सिलाई मशीन, पुराने अखबार, गोंद, कैंची या कटर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाएँगें।

गतिविधि के चरण-

- ➢ शिक्षक द्वारा कागज के लिफाफे व थैला निर्माण की प्रक्रिया को डेमो के द्वारा समझाया जाएगा।
- ➢ विद्यार्थियों से कपड़े के थैले व कागज के लिफाफे बनवाए जाएँगे।
- ➢ बनाए गए लिफाफे एवं थैले विद्यार्थी अपने निजी उपयोग के लिए काम में ला सकेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- ➢ विद्यार्थी पर्यावरण के महत्त्व को समझ पाएँगे।
- ➢ विद्यार्थी प्लास्टिक के उपयोग को रोकने हेतु प्रेरित होंगे।

अन्य गतिविधि

गतिविधि का नाम – 'हॉलेन्ड पार्टी गेम' (Holland Party Game)

गतिविधि के उद्देश्य-

- ➢ विद्यार्थियों को हॉलैंड कोड (RIASEC) और विभिन्न करियर प्रकारों के बारे में जानकारी देना।
- ➢ विद्यार्थियों को उनकी रुचियों और व्यक्तित्व के आधार पर करियर विकल्पों का पता लगाने में सहायता करना।

आवश्यक सामग्री- नाम टैग (नेम टेग), हॉलैंड कोड (RIASEC) से संबंधित जानकारी कार्ड, रंगीन पोस्टर बोर्ड और मार्कर, कागज और पेंसिल / पेन, चार्ट पेपर, प्रोजेक्टर और लैपटॉप (वैकल्पिक)।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- ➢ शिक्षक हॉलैंड कोड (RIASEC) की अवधारणा और इसके महत्त्व को समझाएँगे।
- ➢ शिक्षक इस गतिविधि हेतु करियर बुकलेट 'सारथी' की सहायता ले सकता है।

गतिविधि के चरण-

1. परिचय और उद्देश्य-

शिक्षक हॉलैंड कोड (RIASEC) के बारे में संक्षिप्त परिचय देंगे-

-R (Realistic)

-I (Investigative)

-A (Artistic)
-S (Social)
-E (Enterprising)
-C (Conventional)

2. समूह निर्माण- विद्यार्थियों को उनके कोड के आधार पर छः समूहों में विभाजित किया जाएगा।

3. हॉलैंड कोड कार्ड्स- प्रत्येक विद्यार्थी को हॉलैंड कोड से संबंधित एक कार्ड दिया जाएगा जिसमें कोड की विशेषताएँ और करियर के उदाहरण होंगे।

4. समूह चर्चा- प्रत्येक समूह उनके कोड और संबंधित करियर पर चर्चा करेंगे और चार्ट पेपर पर प्रस्तुति तैयार करेंगे।

5. प्रस्तुतिकरण- प्रत्येक समूह कक्षा के सामने उनके कोड और संबंधित करियर के बारे में प्रस्तुति देगा।

6. **हॉलैंड पार्टी गेम-** खेल के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए जाएँगे।

हॉलैंड पार्टी गेम के प्रश्न इस प्रकार हो सकते हैं-

1. R (Realistic) करियर के लिए-
   यांत्रिकी या इंजीनियरिंग से संबंधित कौनसा करियर हो सकता है?
2. I (Investigative) करियर के लिए-
   एक वैज्ञानिक या शोधकर्ता का क्या काम होता है?
3. A (Artistic) करियर के लिए-
   एक ग्राफिक डिजाइनर किस प्रकार का कार्य करता है?
4. S (Social) करियर के लिए-
   एक शिक्षक या काउंसलर का क्या काम होता है?
5. E (Enterprising) करियर के लिए-
   एक उद्यमी या बिजनेस मैनेजर का क्या काम होता है?
6. C (Conventional) करियर के लिए-
   एक एकाउंटेंट या डेटा एनालिस्ट किस प्रकार का कार्य करता है?

सीखने के प्रतिफल बिंदु-

- इस गतिविधि से कक्षा 9-12 के विद्यार्थी हॉलैंड कोड (RIASEC) की अवधारणा को समझेंगे
- विद्यार्थी उपयुक्त करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे, जिससे उनके करियर मार्गदर्शन में सहायता मिलेगी।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम- 'कबाड़ से जुगाड़' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच के साथ अनुपयोगी सामग्री से कुछ नई सामग्री बनाना सिखाना।

आवश्यक सामग्री- प्लास्टिक बोतल / खाली डिब्बा, रंगीन चार्ट, फेवीकोल, ग्लु / गोंद, कैंची व शादी के पुराने कार्ड।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को एक सप्ताह पहले ही अनुपयोगी वस्तुओं के बारे में पता करने के लिए कहें।

गतिविधि के चरण-

- सर्वप्रथम कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतल लेंगे।
- बोतल को ऊपर से लगभग एक चौथाई हिस्से को काट कर अलग कर देंगे।
- बोतल को खूबसूरत बनाने के लिए उस पर विभिन्न प्रकार को सजावट की जा सकती है। जैसे-रंगीन कागज का फूल बनाकर, लेस, गोटा, पत्ती, रंगीन डोरी, शादी कार्ड, पुरानी राखी, रंगीन बटन आदि फेविकोल से चिपका देंगे।
- पेन स्टैंड के लिए मंजन या दवाई का डिब्बा भी ले सकते हैं। जिसको सजावट करके सुंदर बनाया जा सकता है।
- इस प्रकार एक सुंदर पैन स्टैंड बनकर तैयार होगा।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी कबाड़ में पड़ी हुई वस्तुओं का उपयोग करना सीख पाएँगे।
- विद्यार्थियों में रचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।

मार्च 2025

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम- 'राजस्थान का एकीकरण' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- राजस्थान के इतिहास और एकीकरण की प्रक्रिया को समझना।
- राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, लोक कला और परंपराओं से परिचित होना।

आवश्यक सामग्री- चार्ट पेपर, पोस्टर, बोर्ड, रंगीन कागज, स्केच पेन, पेंट, पेंसिल, राजस्थान की विभिन्न रियासतों का नक्शा, प्रोजेक्टर और कम्प्यूटर (यदि उपलब्ध हो), प्रिंटेड सामग्री और चित्र, राजस्थान के एकीकरण से संबंधित प्रश्नावली।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटें।
- प्रत्येक समूह को राजस्थान की एक रियासत (जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर आदि) पर काम करने का कार्य सौंपें।
- विद्यार्थियों से कहें कि वे अपनी रियासत के इतिहास, संस्कृति, प्रमुख स्थलों और वहां की विशेषताओं के बारे में जानकारी जुटाएँ।

गतिविधि के चरण-

- **शोध और जानकारी जुटाना-** प्रत्येक समूह अपनी रियासत से संबंधित जानकारी पुस्तकों, इंटरनेट और अन्य स्रोतों से जुटाएगा।
- **प्रस्तुति तैयार करना-**जानकारी को चार्ट पेपर पर लिखेंगे और चित्रों के साथ सजाएँगे।
- **प्रस्तुतिकरण-**प्रत्येक समूह अपनी प्रदर्शनी को कक्षा के अन्य विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करेंगे। समूह के सदस्य अपनी जानकारी साझा करेंगे और दर्शकों के सवालों के जवाब देंगे।
- **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-**इस प्रतियोगिता के कई राउंड हो सकते हैं (अंत्याक्षरी की तरह)। जो समूह ज्यादा प्रश्नों के उत्तर देगा वही विजेता होगा।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी राजस्थान के इतिहास और एकीकरण के महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न रियासतों की विशेषताओं और सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

अन्य गतिविधि- एक भारत श्रेष्ठ भारत

गतिविधि का नाम- 'आओ गेंडा देखे' (असम का राज्य पशु) 60 मिनट

गतिविधि का उद्धेश्य- नए जानवरों के बारे में एवं राज्य के पारिस्थितिक अंतर को जानना।

आवश्यक सामग्री- गेंडे का फोटो एवं विडियो।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों से पहले जानवरों और पशुओं के बारे में सामान्य बातचीत करेंगे और कुछ प्रश्न पूछ कर चर्चा को आगे बढ़ाएँगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न करेंगे कि आपने सींग वाले कौन से जानवर देखे हैं ? (बच्चों के प्राय: उत्तर होंगे-गाय, भैंस, बैल इत्यादि।)
- शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न करेंगे कि इनके कितने सींग होते हैं? (विद्यार्थियों का उत्तर प्रायः दो सींग होगा)
- शिक्षक फिर विद्यार्थियों से एक सींग वाले जानवर का नाम पूछेंगे।
- शिक्षक उसके पश्चात् गेंडे का चित्र प्रदर्शित करेंगे।

- विधार्थी इस चित्र को देखकर इसका वर्णन करेंगे तथा राजस्थान,असम एवं भारत के राज्य पशु,पक्षी,फल,फूल,पेड़ के बारे में विचार-विमर्श करेंगे।

विडियो लिंक- https://youtu.be/5ltLvCEZLUA

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थियों में नए जानवरों के बारे में एवं राज्य के पारिस्थितिक अंतर को जानने की रुचि का विकास होगा।

थीम- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम- 'अशुद्धि संशोधन' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य

- वाक्य रचना के नियमों को समझना।
- अशुद्धियों को सुधार कर सही वाक्य रचना कौशल को विकसित करना।

- हिंदी भाषा में लिखने की क्षमता को सुधारना।

आवश्यक सामग्री- अशुद्ध वाक्यांशों की सूची, सुधार के लिए सही वाक्यांश, कागज और पेन।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को वाक्यांशों की सूची दें जिनमें विभिन्न प्रकार की अशुद्धियाँ हों।
- उन्हें दिए गए अशुद्ध वाक्यांशों को सही करने के लिए कहें।
- वाक्य रचना के नियमों और विचारों को समझाएँ।
- सही किए गए वाक्यांशों की जाँच करेंगे और सही वाक्यांशों को उच्चारित करने के लिए कहें।

गतिविधि के चरण-

प्रस्तावना- वाक्य रचना के नियमों के बारे में चर्चा करेंगे।

अशुद्धियों का सुधार- विद्यार्थियों को अशुद्ध वाक्यांशों का सुधार करने के लिए कहेंगे।

वाक्यांशों की जाँच और उच्चारण- सही किए गए वाक्यांशों की जाँच करेंगे और उन्हें उच्चारित करने के लिए कहेंगे।

संक्षेप और समापन- वाक्य रचना के महत्त्व और अशुद्धियों का सुधार करने के लाभ पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में लिखने की क्षमता में सुधार होगा।
- वाक्य रचना के नियमों को समझने में सहायता मिलेगी।
- अशुद्धियों को सुधारकर सही वाक्य रचना कौशल में सुधार होगा।
- भाषा और विचारों को साफ और सुगमता से व्यक्त करने की क्षमता में वृद्धि होगी।

अन्य गतिविधि-उपभोक्ता जागरुकता

गतिविधि का नाम- 'साइबर क्राइम एवं सुरक्षा' 60 मिनट

आवश्यक सामग्री- प्रोजेक्टर, लैपटॉप/कम्प्यूटर, स्पीकर इत्यादि। (यदि हो तो, अन्यथा आप फ्लेक्सी शीट, बैनर, चार्ट, पोस्टर्स इत्यादि सामग्री का उपयोग भी कर सकते हैं)

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को साइबर क्राइम पर आधारित दो लघु फिल्म दिखाई जाएगी।

गतिविधि के चरण-

- लघु फिल्म को दिखाने के लिए निम्नांकित विडियो लिंक का उपयोग किया जा सकता है:

a) साइबर क्राईम की अवधारणा- https://www.youtube.com/watch?v=ggt92gL5yV0

b) साईबर सुरक्षा- https://www.youtube.com/watch?v=ggt92gL5yV0

➢ लघु फिल्म दिखाने के पश्चात शिक्षक द्वारा 'साइबर क्राइम' विषय के संबंध में फिल्म में दिखाए गए दृश्यों पर चर्चा की जाएगी। चर्चा के दौरान निम्नलिखित लिखित प्रश्नों का उपयोग किया जा सकता है:

a) इस लघु फिल्म का मुख्य विषय क्या है?

b) इसे देखने के बाद आपके दिमाग में किस तरह के प्रश्न उठ रहे हैं?

c) क्या फिल्म में दिखाए गई समस्या के समाधान के रूप में आप कुछ सुझाव दे सकते हैं?

➢ शिक्षक द्वारा साइबर क्राइम से सुरक्षा के उपायों को समेकित करते हुए विद्यार्थियों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल-

➢ विद्यार्थी साईबर क्राईम की अवधारणा को समझ पाएँगे।

➢ विद्यार्थी साइबर क्राइम एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकेंगे।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम- 'नवीन तकनीकों से परिचय' 🕒 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को नवीन तकनीकों जैसे QR कोड, Google Lens, ChatGPT और चैटबॉट्स का परिचय देना और उन्हें इन तकनीकों के उपयोग के बारे में जागरूक बनाना।

आवश्यक सामग्री- स्मार्टफोन या टैबलेट (इंटरनेट कनेक्शन के साथ), प्रिंट किए गए QR कोड, कागज और पेन, व्हाइटबोर्ड और मार्कर।

शिक्षक हेतु निर्देश-

➢ विभिन्न QR कोड प्रिंट करें जो विभिन्न वेबसाइटों, वीडियो या सूचनाओं की ओर निर्देशित करते हैं।

➢ स्मार्टफोन या टैबलेट पर Google Lens एप इंस्टॉल करें।

➢ कम्प्यूटर या टैबलेट पर ChatGPT का एक्सेस प्रदान करें।

➢ एक वेबसाइट या ऐप चुनें जहाँ चैटबॉट्स का उपयोग किया जाता है।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को QR कोड स्कैन करना सिखाएँगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी को एक QR कोड दें और उन्हें इसे स्कैन करने के लिए कहेंगे।
- स्कैन करने के बाद वे जो जानकारी प्राप्त हो उसे नोट करेंगे और कक्षा के साथ साझा करेंगे।
- विद्यार्थियों को Google Lens का उपयोग करना सिखाएँगे ।
- विद्यार्थियों को विभिन्न वस्त्र, पौधे और अन्य वस्तुओं पर Google Lens का उपयोग करने के लिए कहेंगे।
- उन्हें वस्त्रों या पौधों के बारे में प्राप्त जानकारी को नोट करने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों को ChatGPT का उपयोग करना सिखाएँगे ।
- विद्यार्थियों को ChatGPT से सवाल पूछने और उत्तर प्राप्त करने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों को चैटबॉट्स का उपयोग करना सिखाएँगे।
- विद्यार्थियों को चैटबॉट्स के साथ बातचीत करने के लिए कहेंगे और उनके सवालों के उत्तर प्राप्त करने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों को अपने अनुभव को नोट करने और कक्षा के साथ साझा करने के लिए कहेंगे।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थी नवीन तकनीकों जैसे QR कोड, Google Lens, ChatGPT और चैटबॉट्स के उपयोग के बारे में जागरूक होंगे।

थीम- बाल सभा-मेरे अपनों के संग

गतिविधि का नाम- 'पशु-पक्षी और पर्यावरण के प्रति जागरुकता' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को पशु-पक्षियों के बारे में जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री- आवश्यकतानुसार।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों के बीच उपस्थित रहकर लगातार मार्गदर्शन करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को अपने आस-पास के वातावरण में पाए जाने वाले पशु-पक्षियों का अवलोकन करने को कहें।
- विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठने का निर्देश दें।
- इसके पश्चात् उनसे स्थानीय पशु-पक्षियों की उपयोगिता और विशेषताओं को बताते हुए चर्चा करें।

- उनकी बोली एवं चलने के तरीके का अभिनय करने को प्रोत्साहित करें।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में विभिन्न पशु पक्षियों के प्रति समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में अवलोकन की क्षमता का विकास होगा।

अप्रैल 2025

थीम- आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम- 'स्थानीय नेतृत्व' (साक्षात्कार) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को स्थानीय नेतृत्व से अवगत करवाना।

आवश्यक सामग्री- पेपर, पेंसिल व रबर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक संस्थाप्रधान के स्तर से स्थानीय नेतृत्व, सरपंच आदि जनप्रतिनिधियों से विद्यार्थी दल द्वारा साक्षात्कार का समय व तिथि निर्धारित करवाएँ।

गतिविधि के चरण- विद्यार्थी निर्धारित समय अनुसार साक्षात्कार लेकर निम्नलिखित बिंदु नोट करेंगे-

- प्रशासनिक कार्य।
- राजनैतिक कार्य।
- विकास कार्य।
- उक्त कार्यों में आने वाली समस्याएँ।
- उक्त कार्यों के समाधान हेतु किए जाने वाले प्रयास।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी राजनैतिक / प्रशासनिक नेतृत्व के अंतर्संबंधों, सीमाओं व महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थियों में स्थानीय नेतृत्व की विशेषताओं एवं उनसे मिलने वाले लाभ की समझ विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थी भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने की दिशा में प्रेरित हो सकेंगे।

थीम- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम- 'उच्चारण संशोधन' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- सही उच्चारण कौशल को विकसित करना।
- ध्वनि और उच्चारण में सुधार करना।
- भाषा के सही उच्चारण के महत्त्व को समझाना।

आवश्यक सामग्री- अशुद्ध उच्चारणों की सूची, सुधार के लिए सही उच्चारण, कागज और पेन।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- ध्वनि और उच्चारण के महत्त्व के बारे में विद्यार्थियों को समझाएँ।
- सही किए गए उच्चारणों की जाँच करेंगे और उन्हें उच्चारित करने के लिए कहें।

गतिविधि के चरण-

- उच्चारण के महत्त्व और उद्देश्य के बारे में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को उच्चारण में अशुद्धियों को सुधारने के लिए कहेंगे।
- सही किए गए उच्चारणों की जाँच करेंगे और उन्हें उच्चारित करने के लिए कहेंगे।
- उच्चारण के सही तरीके का महत्त्व और उच्चारण में सुधार के लाभ पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों के उच्चारण कौशल में सुधार होगा।
- ध्वनि और उच्चारण की सही जानकारी से अवगत होंगे।

स्वस्थ राजस्थान सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'राजस्थान का पारंपरिक खेल' (गिल्ली-डंडा) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- राजस्थान के पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री-

- **गिल्ली-**एक छोटा लकड़ी का टुकड़ा (लगभग 4-6 इंच लंबा)
- **डंडा-**एक लंबा लकड़ी का टुकड़ा (लगभग 18-24 इंच लंबा)
- **चॉक या रंग-**मैदान में निशान बनाने के लिए
- **स्टॉपवॉच-**समय नापने के लिए (वैकल्पिक)
- **टीम बैंड्स-**टीमों को पहचानने के लिए

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को नियम समझाएँगे और मैदान तैयार करें।
- खेल शुरू करेंगे और हर राउंड के बाद टीमे बदलें।
- अंत में अंकों की गणना करेंगे और विजेता टीम की घोषणा करें।

गतिविधि के चरण-

- **स्थान चयन-** एक खुला मैदान चुनें जहाँ बच्चों को खेलने के लिए पर्याप्त जगह हो।
- **मैदान तैयार करें-** मैदान में एक छोटा गड्ढा खोदें और उसके चारों ओर एक गोल निशान बनाएँ। इस निशान को चॉक या रंग से स्पष्ट करें।
- **टीम विभाजन-** खिलाड़ियों को दो टीमों में बाँटें। हर टीम में 3-5 खिलाड़ी हो सकते हैं।
- **खेल की शुरुआत-** पहली टीम से एक खिलाड़ी गिल्ली-डंडा लेता है और गिल्ली को गड्ढे में रखता है। डंडे से गिल्ली को मारकर उसे दूर फेंकता है।
- **अंक प्रणाली-** जब गिल्ली हवा में हो तो दूसरी टीम के खिलाड़ी उसे पकड़ने की कोशिश करेंगे। यदि वे पकड़ लेते हैं तो वह टीम अंक प्राप्त करती है।यदि गिल्ली नहीं पकड़ी जाती तो पहली टीम के खिलाड़ी

गिल्ली जहाँ गिरी है वहाँ तक दौड़ते हैं और वापिस गड्ढे में लौटते हैं। जितने समय में वे यह करते हैं उतने अंक उन्हें मिलते हैं।

- **समय सीमा-** खेल की कुल समय सीमा 20-30 मिनट हो सकती है। हर राउंड के बाद टीमें बदलती हैं।
- **जीत-** जो टीम अंत में सबसे ज्यादा अंक प्राप्त करती है वह जीत जाती है।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों के राजस्थान के पारंपरिक खेलों और संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।
- खेल के माध्यम से बच्चों में आपसी समझ और समानुभूति विकसित होगी।

अन्य गतिविधि -उपभोक्ता जागरुकता

गतिविधि का नाम- 'नुक्कड़ नाटक' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को उपभोक्ता संरक्षण के नियमों से अवगत करवाना।

आवश्यक सामग्री- सामान्य किराने की दुकान का दृश्य तैयार करने के लिए विभिन्न किरदार के नाम लिखे हुए गत्ते जैसे-दुकानदार, ग्राहक व जागरूक नागरिक इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम से संबंधित सभी जानकारियों को एकत्र करेंगे।

गतिविधि के चरण-

- सर्वप्रथम शिक्षक नाटक करने वाले विद्यार्थियों को नाटक से संबंधित किरदारों और नाटक के बारे में समझाएगा।

नाटक- *ग्राहक एक किराने की दुकान में कुछ पैक्ड फ़ूड खरीदने जाएगा। दुकानदार एमआरपी से अधिक पैसे लेता है इस पर ग्राहक और दुकानदार के मध्य बहस होती है।एक जागरूक नागरिक आकर दोनों को समझाता है कि एमआरपी (अंकित मूल्य) से अधिक राशि वसूलना कानूनन अपराध है। इसके लिए भारत सरकार ने लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट 2009 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 कानून बना रखे हैं।*

- नाटक की रोचक प्रस्तुति के पश्चात शिक्षक विद्यार्थियों को इस संबंध में अधिक जानकारी प्रदान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी दैनिक उपभोग की वस्तुओं को खरीदते समय एमआरपी (अंकित मूल्य) का ध्यान रख सकेगा।
- विद्यार्थी उपभोक्ता संबंधी कानूनों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम- 'विद्युत के खेल' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को विद्युत परिपथ के घटकों के बारे में जानकारी देना।
- विद्युत के बुनियादी सिद्धांतों को समझना।
- विद्युत परिपथ निर्माण

आवश्यक सामग्री- बैटरी(1.5V या 9V), बल्ब, बल्ब होल्डर,कनेक्टिंग तार,स्विच,क्लिप्स या कनेक्टर्स।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों को गतिविधि का परिचय देंगे।
- प्रत्येक समूह को आवश्यक सामग्री प्रदान करेंगे।
- विद्यार्थियों को चरणबद्ध निर्देश देंगे और उनके प्रश्नों का उत्तर देंगे।
- सुनिश्चित करेंगे कि सभी विद्यार्थी सक्रिय रूप से भाग लें और परिपथ निर्माण के प्रत्येक चरण को समझें।
- शिक्षक विद्यार्थियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखेंगे।

गतिविधि के चरण-

- बैटरी को स्विच से जोड़ेंगे। बैटरी का पॉजिटिव टर्मिनल स्विच के एक छोर से और निगेटिव टर्मिनल कनेक्टिंग तार से जोड़ेंगे।
- स्विच के दूसरे छोर से बल्ब होल्डर को जोड़ेंगे। बल्ब होल्डर के दूसरे छोर को निगेटिव तार से जोड़ेंगे।
- स्विच को चालू करेंगे और देखेंगे कि बल्ब जलता है या नहीं। यदि बल्ब जलता है तो परिपथ सही है। यदि नहीं तो कनेक्शन की जाँच करेंगे।
- विद्यार्थियों से पूछेंगे कि परिपथ के किन हिस्सों ने कैसे काम किया। विद्युत प्रवाह की दिशा और कार्यविधि पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी विद्युत परिपथ के घटकों और उनके कार्य को समझेंगे।
- विद्यार्थी सरल विद्युत परिपथ का निर्माण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी विद्युत प्रवाह और उसकी कार्यविधि के सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समस्या समाधान कौशल का विकास होगा।

- यह गतिविधि न केवल विद्यार्थियों को विद्युत के मूल सिद्धांतों को समझने में सहायता करेगी बल्कि उनके हाथों से कुछ बनाने की क्षमता को भी बढ़ावा देगी।

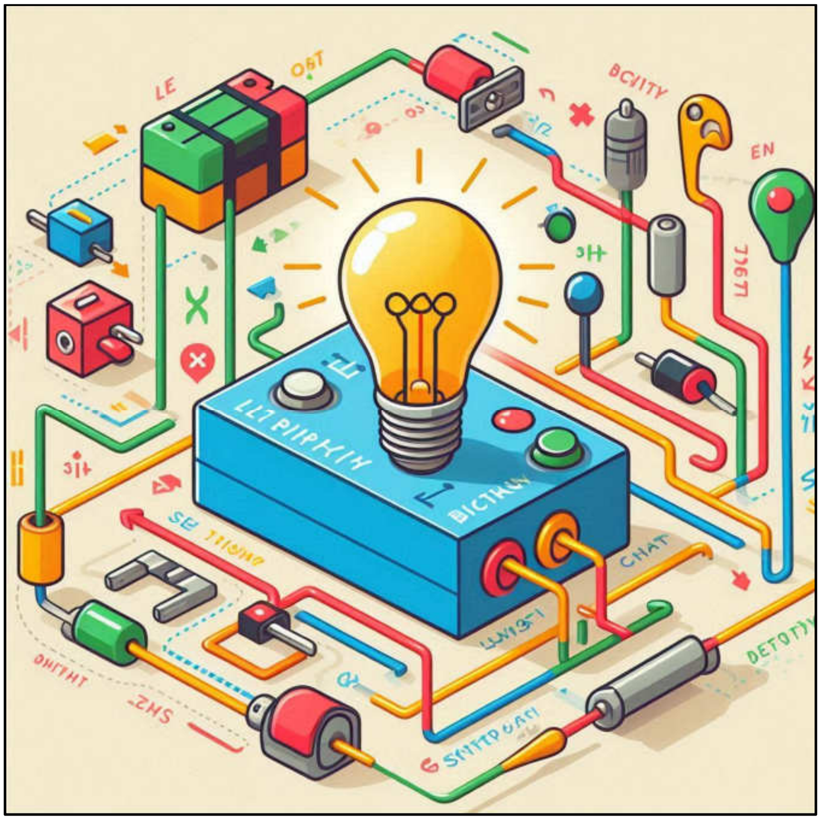

आउटडोर खेल गतिविधियाँ

- क्रिकेट
- फुटबॉल
- बास्केटबॉल
- बैडमिंटन
- वॉलीबॉल
- दौड़ (100 सौ मीटर एवं उससे अधिक)
- हॉकी
- कबड्डी
- लंबी छलांग
- तालियों के साथ योगाभ्यास
- रस्सी कूद
- फुटबॉल (सॉकर): यह खेल छोटे आकार के मैदान में भी खेला जा सकता है। विद्यार्थियों को इस खेल से सामूहिकता, पारस्परिक सहयोग और टीमवर्क के महत्व को समझने में मदद मिलती है।
- बास्केटबॉल: विद्यार्थियों के लिए बास्केटबॉल भी एक उपयुक्त खेल हो सकता है। यह खेल उन्हें गतिशीलता, कंट्रोल और टीम वर्क कौशल विकसित करने में मदद करता है।
- बैडमिंटन: यह एक आसान और रमणीय खेल है जिसे विद्यार्थी खेल सकते हैं। इसका खेलना उन्हें हाथ-पैर के कोऑर्डिनेशन, स्पष्टता और तेज़ी के साथ दिमागी कौशल विकसित करने में मदद करता है।
- हॉकी: विद्यार्थियों को हॉकी भी अच्छा खेल लग सकता है। हॉकी खेलने से उन्हें सामूहिकता, बाल कंट्रोल, टीम वर्क और सामरिक योजना बनाने का मौका मिलता है।

प्रारूप–अ

'नो बैग डे' कार्यक्रम उत्तरदायित्व –विद्यालय स्तर (जून के अंतिम सप्ताह में करना है)

नो बैग डे की थीम	थीम प्रभारी	कक्षा समूह प्रभारी
1. दूसरा शनिवार –	थीम प्रभारी..................................	**समूह– प्रवेश** प्रभारी......................... सहप्रभारी....................
1. चौथा शनिवार–	थीम प्रभारी..................................	**समूह– क्षितिज** प्रभारी......................... सहप्रभारी....................

हस्ताक्षर प्रभारी 'नो बैग डे' कार्यक्रम

नाम.......................................

हस्ताक्षर संस्थाप्रधान

'नो बैग डे' कार्यक्रम मासिक योजना–प्रारूप–ब

(प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को तैयार करना)

माह का नाम... वर्ष...................

दिनांक	थीम का प्रकार	समूह	गतिविधि का संक्षिप्त विवरण	गतिविधि का स्थल/कक्षा	विद्यार्थियों की कुल संख्या			भाग लेने वाले विद्यार्थियों की अनुमानित संख्या		
					छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल
	आओ राजस्थान को जानें।	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	स्वस्थ राजस्थान–सशक्त राजस्थान।	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	खेल खेल में विज्ञान	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	बालसभा मेरे अपनों के संग	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								

नाम व हस्ताक्षर थीम प्रभारी

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

हस्ताक्षर 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी

'नो बैग डे' कार्यक्रम–प्रतिवेदन

(प्रत्येक द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को तैयार करना)

माह का नाम....................................... दिनांक................... शनिवार का क्रम– द्वितीय/चतुर्थ

थीम का नाम...

समूह का नाम... ....

समूह प्रभारी का नाम एवं पदनाम..

क्रसं	गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण (प्रतिफल/कौशल/दक्षता आदि)	विद्यार्थियों की कुल संख्या			भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या		
		छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि 1. 2. 3.

गतिविधि आयोजन को श्रेष्ठ बनाने हेतु सुझाव– ....

....

नोट– समूह की गतिविधियों से प्राप्त चार्ट/मॉडल/सर्वेक्षण प्रपत्र/वीडियो/फोटोग्राफ्स आदि जो गतिविधि के होने को प्रमाणित करे को सॉफ्ट या हार्ड कॉपी में 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी को गतिविधि आयोजन के बाद देवें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी इन्हें सत्र पर्यन्त संरक्षित रखें।

हस्ताक्षर थीम प्रभारी हस्ताक्षर 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी